वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 219 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, बुधवार 26 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

SHORT NEWS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और झारखंड सरकार को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। सीजेआई ने पूछा कई एग्जाम मिश्रा ने साफ़ किया कि मामला झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन के एग्जाम से जुड़ा है, साथ ही उन्होंने स्टाफ़ सिलेक्शन एग्जाम का भी ज़िक्र किया। मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि या तो CBI से जांच कराई जाए या फिर सुप्रीम कोर्ट के किसी पूर्व जज से जांच करवाई जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र, झारखंड सरकार और अन्य को एक PIL पर नोटिस जारी किया। इस PIL में झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 में कथित अनियमितताओं की CBI या स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन की याचिका पर राज्य सरकारों से जवाब मांगा। याचिकाकर्ता की ओर से पेश सीनियर वकील मनन कुमार मिश्रा ने बेंच को बताया कि छात्र परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर लगातार विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे।

श्रमिक परिवारों के बच्चों के सपनों को पंख दे रही सरकार : मुख्यमंत्री साय

1.45 लाख श्रमिकों को 39.67 करोड़ की सहायता, बच्चों की शिक्षा पर भी सरकार का जोर

रायपुर। श्रमिक हमारे विकास की मजबूत नींव हैं। अपने परिश्रम से वे सड़क, भवन, पुल और विकास की अनेक आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करते हैं। राष्ट्र और प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। श्रमिक परिवारों के बच्चे शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ेंगे और अपने सपनों को पूरा करेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का संकल्प साकार होगा। यह बात मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायने राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के सम्मान समारोह में कही।

मुख्यमंत्री ने समारोह में योजना के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने शिक्षा, खेल, कला और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के तहत 1 लाख 45 हजार 841 श्रमिकों को 39 करोड़ 67 लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को व्यवस्थित यूनिफॉर्म में आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी में संवाद करते और शिक्षा के साथ खेल तथा अन्य गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करते देखकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। बच्चों का आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि यदि प्रतिभा को उचित अवसर और अच्छी शिक्षा मिले, तो आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियां उसकी राह में बाधा नहीं बन सकतीं।

200 बच्चों को प्रतिष्ठित विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा

मुख्यमंत्री ने बताया कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की शुरुआत पिछले वर्ष 100 बच्चों के साथ की गई थी। योजना का विस्तार करते हुए इस वर्ष 200 बच्चों को प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा का अवसर दिया गया है। प्रदेश के सभी 33 जिलों से चयनित प्रतिभावान विद्यार्थी राजकुमार कॉलेज, दिल्ली पब्लिक स्कूल और रुंगटा पब्लिक स्कूल जैसे प्रतिष्ठित विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में अपने बच्चों को पढ़ाना श्रमिक परिवारों के लिए कभी कठिन सपना हुआ करता था, आज राज्य सरकार उस सपने को साकार करने का प्रयास कर रही है। यह योजना केवल अच्छे विद्यालय में प्रवेश दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आत्मविश्वास और अपनी प्रतिभा को निखारने के समान अवसर उपलब्ध कराने की पहल है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश और देश के निर्माण में श्रमिकों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि शहरों की ऊंची इमारतों से लेकर गांवों की सड़कों तक और बड़े पुलों से लेकर अनेक विकास परियोजनाओं के पीछे श्रमिकों का परिश्रम है। राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

तर्रीघाट हाई स्कूल पहुंचे शिक्षा मंत्री यादव, विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए किया प्रेरित

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम तर्रीघाट स्थित शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल पहुँचे। उन्होंने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से संवाद किया तथा स्कूल में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति एवं विद्यालय की आवश्यकताओं की जानकारी ली।

शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचि और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी लिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मजबूत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही उनके उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल आने, अनुशासन का पालन करने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

तर्रीघाट स्कूल में निरीक्षण के दौरान मंत्री यादव ने शिक्षकों से कहा कि बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर निरंतर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो। विद्यालय निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव से खुलकर संवाद किया और स्कूल से जुड़ी अपनी आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने प्रार्थना स्थल पर डोमशेड निर्माण तथा विज्ञान कक्षा के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की मांग रखी।

धड़ल्ले से चल रहा गांजा का कारोबार

चांपा। नगर में नशे का कारोबार करने वाले लोगों का हौसला इतना बुलंद हो चुका हैं कि नशे के कारोबारी को इस बात का भी भय नहीं रहता कि कही पुलिस द्वारा उनकी ठिकानों पर दबिश न दे इनका हौसला इतना बढ़ा हुआ है।कि इनको पुलिस से भी भय नहीं रहता और नशे का कारोबार धड़ल्ले से संचालित कर रहे हैं।और पुलिस द्वारा नशे के कारोबार के खिलाफ चलाएं जा रहे चेतना विरुद्ध नशा प्रहार अभियान में पुलिस भी लगातार बढ़ते नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने में भी विफल नजर आ रही हैं। बहरहाल रानी रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति के द्वारा भारी मात्रा में गांजा तस्करी और छोटे छोटे पुढ़ियों में पैक कर बेचने का काम किया जा रहा हैं।इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी।लेकिन आज तक पुलिस द्वारा कोई भी ठोस कानूनी कार्यवाही नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिस द्वारा हमे केवल आश्वाशन ही दिया जाता हैं। कि इन नशा कारोबार के उप्पर कानूनी कार्यवाही होगी। लेकीन आज तक ऐसा कुछ नहीं हुआ। स्थानीय लोगों का कहना हैं कि इस परेशानी से पुलिस वालों को कोई सरोकार नहीं हैं। गांजा बेचने वाले व्यक्ति के घर थाने से कुछ ही दूरी पर स्थित है।फिर भी पुलिस आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया और न ही इन पर कोई कानूनी कार्यवाही हुई। यह स्थानीय लोगों में चिंता का विषय बना हुआ हैं।स्थानीय लोगों का कहना हैं कि अगर स्थिति ऐसी ही रही तो जल्द ही हम चांपा थाने का घेराव कर उसकी गिरफ्तारी का अह्वान करेंगे। स्थानीय लोगों ने ऐसे नशा कारोबारियों के उप्पर सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही करने के लिए थाने व पुलिस विभाग से अपील कि है। और और हो रही ऐसी परेशानियों से निजात के लिए मांग की हैं।

जिला में टेट मुक्ति रैली निकाली जाएगी आज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में 25 अगस्त को टेट मुक्ति रैली के साथ मुख्यमंत्री,शिक्षा मंत्री,शिक्षा सचिव,संचालक लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर के नाम कलेक्टर,डीईओ को ज्ञापन सौंपा जाना है उसी अनुक्रम में और हितों की रक्षा के लिए 25 अगस्त को शिक्षक संघर्ष मोर्चा द्वारा एक बड़ा प्रांतीय आंदोलन किया जा रहा। इस दिन राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में शिक्षक एकजुट होकर मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपेंगे। जिले के शिक्षकों द्वारा टेट मुक्ति रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा जावेगा। शिक्षक मोर्चा के जिला संयोजक सत्येंद्र सिंह,संतोष शुक्ला,विकास सिंह,जिला उप संयोजक डॉ.बोधीराम साहू,योगेंद्र शुक्ला,राकेश तिवारी,विजय प्रधान सहित पदाधिकारियों ने बताया कि टेट मुक्ति रैली कलेक्ट्रेट के पास वसुंधरा गार्डन से दोपहर 3 बजे निकलकर कलेक्ट्रेट जाकर कलेक्टर को मुख्यमंत्री,शिक्षा मंत्री,शिक्षा सचिव,संचालक लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर के नाम सौंपा जावेगा ।उसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जावेगा। जिले के सभी शिक्षकों से अपील की गई है कि अपने हक और अधिकार की लड़ाई के लिए रैली में अवश्य शामिल होवे।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा द्वारा सौंपे जाने वाले ज्ञापन में शिक्षकों से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं और मांगों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। शिक्षकों को टेट (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता से मुक्ति दिलाने की मांग इस आंदोलन का मुख्य एजेंडा है, सेवा की सुरक्षा व पदोन्नति हेतु टेट परीक्षा से राहत दिया जावे।शिक्षकों के लिए पूर्ण सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ पूर्व सेवा अवधि को जोड़ते हुए पेंशन व अन्य हित लाभ दिए जाने की मांग ,राज्य के शिक्षकों को राज्य शासन केंद्रीय वेतनमान के समान लाभ देते हुए वेतन विसंगति को दूर की जावे।

बालोद जिले के 02 लाख 45 हजार हितग्राही होंगे इस महत्वाकांक्षी योजना से लाभान्वित

बालोद । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा रक्षाबंधन त्योहार के पूर्व राज्य के मातृ शक्तियों को महत्वपूर्ण सौगात दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंगलवार 25 अगस्त को बालोद जिले के डौण्डीलोहारा स्थित लाल रघुवीर सिंह स्टेडियम में आयोजित बिहान दीदी एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं के सम्मान में शामिल होकर राज्य के 68 लाख महिलाओं के खाते में महतारी वंदन योजना के 31वीं किस्त की राशि का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय जिले के 'बिहान दीदियों एवं विभिन्न स्व-सहायता समूहों की उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी करेंगे। इस मौके पर साय बालोद जिले के 02 लाख 45 हजार महिलाओं को भी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित करते हुए उनके खाते में 31वीं किस्त की राशि का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय कुपोषण मुक्ति अभियान के अंतर्गत कुपोषित बच्चों के माताओं को सुपोषण किट के अलावा 'हर घर मुनगा' अभियान के तहत समारोह में उपस्थित महिलाओं को एक-एक मुनगा पेड़ का भी वितरण करेंगे।

जिले में इस आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण ने आज जनप्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रम स्थल लाल रघुवीर सिंह स्टेडियम में पहुँचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य एथेलेटिक संघ के उपाध्यक्ष सौरभ लुनिया, नगर पंचायत डौण्डीलोहारा के अध्यक्ष लाल निवेन्द्र सिंह टेकाम, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि चेमन देशमुख सहित अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, एडीशनल एसपी चंद्रकांत गवर्ना, एसडीएम शिवनाथ बघेल के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

महापौर ने सावन सोमवार का दिन किया शिवार्चन को समर्पित

राजनांदगांव । पुण्यदायी श्रावण मास के चौथे एवं अंतिम सोमवार को महापौर मधुसूदन यादव का दिन शिवभक्ति से परिपूर्ण रहा। अपने जन्मदिन के दीर्घ, वृहद एवं व्यस्ततम आयोजन के उपरांत आज महापौर ने अपने दिन की शुरूवात कांवड़ यात्रियों की सेवा से प्रारंभ की। स्थानीय नंदई चौक में वार्डवासियों द्वारा आयोजित एक धार्मिक आयोजन में प्रात: महापौर ने कांवड़ यात्रा करने वाले शिवभक्तो पर पुष्पवर्षा की एवं मोहारा नदी से भगवान शिव के लिये कांवड में जल लाने वाले शिवभक्तों के स्वागत एवं अभिनंदन से दिन का शुभारंभ किया। प्रदोष काल (दोपहर 12 से 5 बजे के मध्य का समय जिसे शिवपूजन के लिये श्रेष्ठ माना जाता है) में महापौर ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती

करूणा यादव के साथ स्थानीय श्री पाताल भैरवी सिद्धपीठ मंदिर पहुँच कर पूजा अर्चना की एवं वहाँ स्थित द्वादश शिवलिंग का अभिषेक कर पुण्यलाभ अर्जित किया। पश्चात पूर्व सांसद मधुसूदन लखोली क्षेत्र में पहुँचकर बाबा महाकाल की भव्य पालकी यात्रा में शामिल हुए एवं नगर के शिवभक्तों एवं धर्मप्रेमी जनता के साथ शिवार्चन एवं शिवभक्ति में सहभागी बने।

बालाजी गैस एजेंसी में बड़ी कार्रवाई, 412 भरे सिलेंडर कम मिले

बिलासपुर । बालाजी गैस एजेंसी के मगरपारा स्थित कार्यालय एवं महाराणा चौक स्थित गैस गोदाम में आज जिला प्रशासन की संयुक्त जांच टीम ने छापामार शैली में कार्रवाई करते हुए कुल 939 गैस सिलेंडर जब्त किए। इनमें 452 भरे और 487 खाली सिलेंडर शामिल हैं। जांच के दौरान ऑनलाइन दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध वास्तविक स्टॉक में बड़ी विसंगति सामने आई। ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार 864 भरे सिलेंडर होने थे, जबकि मौके पर केवल 452 भरे सिलेंडर मिले। इस तरह 412 भरे गैस सिलेंडर कम पाए गए।

बालाजी गैस एजेंसी के विरुद्ध उपभोक्ताओं से लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने राजस्व, खाद्य विभाग और आईओसीएल की संयुक्त जांच टीम गठित कर एजेंसी के स्टॉक और शिकायतों की जांच के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश पर टीम ने आज दोनों परिसरों में औचक जांच की और मौके पर ही स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया।

जांच के दौरान घरेलू एवं व्यावसायिक श्रेणी के गैस सिलेंडरों के ऑनलाइन स्टॉक का मौके पर उपलब्ध सिलेंडरों से मिलान किया गया। ऑनलाइन रिकॉर्ड में कुल 864 भरे सिलेंडर प्रदर्शित थे, जबकि भौतिक सत्यापन में 452 भरे सिलेंडर ही उपलब्ध पाए गए। इस प्रकार 412 भरे सिलेंडर कम मिले। वहीं रिकॉर्ड में 473 खाली सिलेंडर दर्ज थे, जबकि मौके पर 487 खाली सिलेंडर पाए गए, जो रिकॉर्ड से 14 अधिक हैं।

स्टॉक में पाई गई इस गंभीर विसंगति के बाद जांच टीम ने मौके पर उपलब्ध 452 भरे एवं 487 खाली, कुल 939 सिलेंडरों को जब्त कर लिया। जांच दल द्वारा एजेंसी के संबंधित दस्तावेजों एवं स्टॉक का परीक्षण भी किया गया।

आक्रोशित शिक्षकों ने निकाली सेवा सुरक्षा पदयात्रा

छुईखदान । सेवारत सभी शिक्षकों को टी ई टी से मुक्ति, वेतन विसंगति दूर करने, प्रथम नियुक्ति से गणना करते हुए वेतन एवं पेंशन आदि मांगों को लेकर शनिवार 22 अगस्त को शिक्षक साझा मंच के बैनर तले छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ब्लॉक इकाई छुईखदान ने जोरदार धरना प्रदर्शन करते हुए सेवा सुरक्षा पदयात्रा रैली के रूप में निकाली द्य इस धरना आंदोलन में छुई खदान विकासखंड के माध्यमिक और प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों की जबरदस्त भागीदारी रही । भारी बारिश के बीच शिक्षिकाओं ने संभाला मोचा शनिवार को आंदोलन के दिन रुक-रुक कर भारी बारिश होती रही इस बीच सैकड़ों की संख्या में उपस्थित महिला कार्यकारणी शिक्षिकाओं ने छाता, रेनकोट पहनकर इस आंदोलन का मोर्चा संभाला द्य श्रीमती सीता साहू,अर्चना दुबे ,तारिका धुर्वे ,इंद्राणी साहू,पूर्णिमा जंघेल ,आभा सोनी ,मोनिका चंदेल ,माधुरी नेताम, पद्मिनी चंदेल ,रुक्मणी जांगडे,,चैताली भद्र ,श्वेता ठाकुर, रोशनी चंद्राकर, श्रद्धा वैष्णव बबीता यादव , मेमन धुर्वे, वीणा धुर्वे, रत्ना हरमे,जनता धुर्वे,कविता बघेल, शांति महिलांगे,राजेश्वरी जंघेल ,राजकुमारी भारती सहित सैकड़ो शिक्षिकाओं ने मोर्चा अपने हाथ में लेते हुए ब्लॉक अध्यक्ष टीका देशमुख के साथ धरना और रैली का नेतृत्व किया । गरजे शिक्षक, इंसाफ तो करना ही होगा 15 ,20, 25 साल की सेवा देने के बाद अचानक से टेट लागू अनिवार्य करने से शिक्षकों में खासा आक्रोश है, धरना स्थल पर वरिष्ठ शिक्षकों ने आक्रोशित शैली में अपनी पीड़ा व्यक्त की और आंदोलन को मजबूती के साथ आगे बढ़ने का प्रण लिया है द्य ब्लॉक अध्यक्ष टीका देशमुख सहित कई शिक्षकों नेआंदोलन को संबोधित किया ।

शिक्षक साझा मंच ने मुख्यमंत्री व स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, सेवा सुरक्षा समेत चार सूत्रीय मांगें

जांजगीर-चांपा। शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ ब्लॉक बम्हनीडीह द्वारा 22 अगस्त दिन शनिवार को मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम नायब तहसीलदार बम्हनीडीह को ज्ञापन सौंपा गया है। शिक्षकों ने सेवाकालीन शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से सेवा सुरक्षा प्रदान करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर शीघ्र न्यायसंगत निर्णय लेने की मांग किए हैं। इस संबंध में शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ के प्रांतीय संयोजक छबि कुमार पटेल सिलादेही (बिर्रा) निवासी ने बताया कि छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री और माननीय शिक्षा मंत्री के नाम से तहसीलदार महोदय बम्हनीडीह को सौंपे गए ज्ञापन में प्रमुख रूप से सेवाकालीन शिक्षकों को ञ्ञ्ञ की अनिवार्यता से सेवा सुरक्षा देने, सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने तथा नियुक्ति तिथि से पूर्व की सेवा की गणना कर क्रमोन्नति, पेंशन एवं अन्य सभी सेवा लाभ प्रदान करने की मांग की गई है। वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के हित में निर्णय की मांग -

शिक्षक साझा मंच ने कहा कि लंबे समय से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार को संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेना चाहिए। शिक्षकों ने सेवा सुरक्षा सहित लंबित मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग रखी। ज्ञापन सौंपने के दौरान शिक्षकों ने कहा कि शिक्षकों के सम्मान, सेवा सुरक्षा और अधिकारों के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। मंच द्वारा आने वाले दिनों में मांगों को लेकर आंदोलन की रूपरेखा भी जारी की गई है। शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार पोस्टर में जारी आंदोलन की रूपरेखा के अनुसार 22 अगस्त को सभी ब्लॉकों में धरना, रैली और ज्ञापन, 29 अगस्त को प्रदेश के सभी 33 जिलों में रैली एवं धरना प्रदर्शन, 30 अगस्त से 4 सितंबर तक सोशल मीडिया अभियान तथा 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर सरकार की घोषणा का इंतजार करने की बात कही गई है। मांग पूरी नहीं होने की स्थिति में 9 सितंबर से निर्णायक आंदोलन और सेवा सुरक्षा न्याय पदयात्रा की घोषणा की गई है। शिक्षक साझा मंच ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा।

कावड़ यात्रा के आगमन से क्षेत्र हुआ शिवमयझुरानदी से 18 किलोमीटर पैदल चलकर शिवधाम पर्वत पहुंचे कावड़िए

डोंगरगढ़ (महाकोशल)। सावन मास के पावन अवसर पर डोंगरगढ़ बोलबम जटाशंकर कावड़ यात्रा संघ के बैनर तले आयोजित भव्य कावड़ यात्रा के डोंगरगढ़ पहुंचने से पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा। चिचोला समीप स्थित राम मंदिर झुरानदी से पवित्र जल लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगभग 15 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए डोंगरगढ़ के प्रसिद्ध शिवधाम पर्वत स्थित जटाशंकर मंदिर पहुंचे। इस दौरान पूरा मार्ग भगवान भोलेनाथ के जयकारों और 'बोल बम' के उद्घोष से गूंजता रहा। कावड़ियों ने जटाशंकर महादेव के शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित कर क्षेत्र, समाज और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

कावड़ यात्रा में पुरुषों के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं और युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालु भगवा वस्त्र धारण कर, हाथों में कावड़ लिए नंगे पांव यात्रा करते दिखाई दिए। यात्रा के दौरान भक्ति, आस्था और

सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। ग्रामीण क्षेत्रों से होते हुए कावड़ यात्रा जैसे-जैसे डोंगरगढ़ की ओर आगे बढ़ी, श्रद्धालुओं में उत्साह बढ़ता गया।

झुरानदी से विधि-विधान से भरा जल: कावड़ यात्रा का शुभारंभ चिचोला समीप झुरानदी स्थित राम मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के साथ हुआ। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा कर पवित्र जल कावड़ में भरा और भगवान शिव के जयकारों के साथ डोंगरगढ़ के लिए प्रस्थान किया। लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करने के बाद कावड़िए डोंगरगढ़ पहुंचे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जगह-जगह स्वागत किया गया।

डोंगरगढ़ पहुंचने पर शक्ति वाहिनी की बहनों द्वारा कावड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। पूरे वातावरण में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे गूंजते रहे।

कावड़ यात्रा सनातन संस्कृति और आस्था का प्रतीक : वेदराम ताम्रकार

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कावड़िया वेदराम ताम्रकार ने कहा कि कावड़ यात्रा हमारी सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था और भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजन नई पीढ़ी विशेषकर युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा जैसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, एकता और धार्मिक भावना को मजबूत करते हैं।

कावड़िया अशोक वर्मा ने कहा कि 15 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर शिवधाम पर्वत तक पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था और तपस्या का विषय है। मती किरण साहू उपाध्यक्ष जिला पंचायत राजनादगांव ने कह पैदल चलने के बाद पर्वत पर चढ़कर भगवान जटाशंकर महादेव का जलाभिषेक करना आसान नहीं है, लेकिन भगवान शिव के प्रति श्रद्धा के सामने कठिनाइयां छोटी हो जाती हैं।

जश लर्न, जश क्वेस्ट, स्मार्ट क्लास सहित शैक्षणिक नवाचारों की प्रभावी क्रियान्वयन करें : कलेक्टर व्यास

जशपुरनगर । कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक लेकर जिले में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, सीखने की क्षमता बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए संचालित नवाचारों एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने और शिक्षा को अधिक प्रभावी एवं रुचिकर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जश लर्न, जश क्वेस्ट, स्मार्ट क्लासेस, संपर्क स्मार्ट शाला, संपर्क क्लासेस, अंतरिक्ष संगवारी के अंतर्गत एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग, नन्हे सितारे और विद्याधन छात्रवृत्ति सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक इनका लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल सरगुजा संभाग में आयोजित सरगुजा ओलंपिक को खेल प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए महत्वपूर्ण मंच बताते हुए इसके बेहतर एवं व्यवस्थित क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट, अपार आईडी तथा विद्यार्थियों को पुस्तक वितरण की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शेष कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि छात्रों को योजनाओं एवं शैक्षणिक सुविधाओं का समय पर लाभ मिल सके। कलेक्टर व्यास ने स्कूलों में संचालित स्मार्ट क्लासेस के तहत डैशबोर्ड के बेहतर संचालन के लिए विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कक्षा में एक विद्यार्थी को आईटी मॉनिटर के रूप में पूर्ण रूप से प्रशिक्षित करें, ताकि वह आवश्यकता पड़ने पर अन्य विद्यार्थियों को भी तकनीकी जानकारी दे सके। उन्होंने स्मार्ट क्लास के सुचारू संचालन के लिए स्कूलों में आवश्यक इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से आर्थिक बचत के साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा

छुईखदान (महाकोशल)। सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले में लोगों को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा की ओर प्रेरित करने के साथ ही उनके घरेलू बिजली खर्च को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना से लाभान्वित ग्राम खैरनावापारा, कनक नगर, छुईखदान निवासी दिवाकर लोधी ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर सौर ऊर्जा को अपनाया है। सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित होने से पहले दिवाकर लोधी के घर का बिजली बिल लगभग ?1,200 प्रतिमाह आता था। सोलर सिस्टम लगने के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है और वर्तमान में उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। इससे उन्हें हर महीने घरेलू बजट में सीधी बचत हो रही है। लोधी के सोलर

सिस्टम से अब तक 203 यूनिट बिजली का उत्पादन हो चुका है। इसके एवज में उन्हें ?510 का सोलर रिबेट भी प्राप्त हुआ है। इस प्रकार योजना ने उनके लिए बिजली की बचत के साथ अतिरिक्त आर्थिक लाभ का रास्ता भी खोला है।

सौर ऊर्जा अपनाने से लोधी को आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का अवसर भी मिला है। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा का बेहतर माध्यम है। घर की छत पर सोलर प्लांट लगाकर वे अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करने के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी योगदान दे रहे हैं।

दिवाकर लोधी अब अपने आसपास के लोगों को भी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वे लोगों से अपने घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराने की अपील करते हुए बताते हैं कि इससे बिजली खर्च में बचत के साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है।

स्व-सहायता समूह से मिली नई राह, लखपति दीदी बनीं अंजू यादव

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। कुनकुरी की रहने वाली अंजू यादव कभी आर्थिक परेशानियों से जूझ रही थीं। परिवार की जरूरतों को पूरा करने और आय का स्थायी साधन जुटाने में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे समय में स्व-सहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन में बदलाव की शुरुआत बना।

स्व-सहायता समूह के माध्यम से अंजू यादव को ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि का उपयोग उन्होंने बकरी पालन के साथ-साथ एक फैंसी दुकान शुरू करने में किया। मेहनत और लगन से उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया, जिससे उनकी आमदनी में लगातार वृद्धि हुई और परिवार को आर्थिक मजबूती मिली।

आज अंजू यादव न केवल अपने परिवार की जरूरतें बेहतर तरीके से पूरी कर रही हैं, बल्कि उन्होंने अपनी मेहनत और आय से खुद का पक्का मकान बनवाया और एक वाहन भी खरीदा। आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते हुए उनका जीवन अब दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन गया है।

सरकार की इस पहल से अंजू यादव की आजीविका और आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। अपने जीवन में आए इस सकारात्मक बदलाव के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का तहेदिल से आभार व्यक्त करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी पहल का स्वागत किया।

सुरसुली नर्मदा धाम से कुकुरदेव मंदिर तक निकली भव्य कावड़ यात्रा, बोल-बम के जयकारों से गूंजा अंचल

बालोद । क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का एक अनूठा संगम देखने को मिला, जहाँ शिवभक्तों द्वारा एक विशाल कावड़ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक यात्रा में बड़ी संख्या में कावड़िए सुरसुली नर्मदा धाम कुंड से पवित्र जल लेकर पैदल यात्रा पर रवाना हुए ।कावड़ियों का यह जत्था हाथों में कावड़ थामे, बाबा भोलेनाथ की भक्ति में लीन होकर पैदल आगे बढ़ा। यह यात्रा सुरसुली नर्मदा धाम से शुरू होकर देवरी, संबलपुर और डौंडीलोहारा होते हुए अपने अंतिम गंतव्य कुकुर देऊर शिव मंदिर (खपरी, मालीघोरी) पहुँची। पूरे मार्ग में बोल बम-हर हर महादेव और जय मां नर्मदा के गगनभेदी जयकारों से पूरा अंचल गुंजायमान रहा।

विधायक अनिला भेड़िया के निवास पर हुआ कावड़ियों का भव्य स्वागत, श्रद्धालुओं के लिए की गई जलपान की व्यवस्था सुरसुली नर्मदा धाम कुंड से पवित्र जल लेकर खपरी मालीघोरी स्थित कुकुर देऊर शिव मंदिर जा रहे कावड़ियों का डौंडीलोहारा पहुँचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान डौंडीलोहारा विधायक अनिला भेड़िया ने अपने निवास स्थान पर सभी पैदल चल रहे श्रद्धालुओं और कावड़ियों के लिए जलपान व फलाहार की विशेष व्यवस्था की ।विधायक निवास पहुँचने पर कावड़ियों के जत्थे का उत्साहवर्धन किया गया और उन पर पुष्पवर्षा की गई। लंबी पैदल दूरी तय कर रहे शिवभक्तों ने विधायक निवास पर रुककर जलपान ग्रहण किया और कुछ देर विश्राम किया। विधायक अनिला भेड़िया ने स्वयं कावड़ियों की सेवा की और बाबा भोलेनाथ से क्षेत्र की जनता की सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हुए आशीर्वाद माँगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामीण जन उपस्थित रहे, जिन्होंने कावड़ यात्रा के सफल संचालन और सेवा व्यवस्था में अपना सहयोग प्रदान किया। जलपान के पश्चात कावड़ियों का दल पुन: बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष के साथ अपने गंतव्य कुकुर देऊर शिव मंदिर खपरी मालीघोरी की ओर रवाना हुआ।

ग्राम पंचायत दुधली द्वारा भव्य फल वितरण कावड़ियों की सेवा में जुटे श्रद्धालु सुरसुली नर्मदा धाम कुंड से पवित्र जल लेकर खपरी मालीघोरी स्थित कुकुर देऊर शिव मंदिर की ओर बढ़ रहे कावड़ियों के स्वागत और सेवा का सिलसिला लगातार जारी रहा। इसी कड़ी में बोल ग्राम पंचायत दुधली (मालीघोरी) द्वारा पैदल चल रहे शिवभक्तों के लिए विशेष सेवा स्टाल लगाया गया। समिति के सदस्यों द्वारा धान खरीदी केंद्र के सामने, हनुमान मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर सभी श्रद्धालुओं और कावड़ियों के लिए फल वितरण की व्यवस्था की गई थी। लंबी दूरी तय कर थके-हारे कावड़ियों को समिति के सदस्यों ने आत्मीयता से फल और शीतल जल भेंट कर उनका हौसला बढ़ाया।

रिमझिम फुहारों के बीच कलेक्टर पहुंचे खेत,स्वयं किया डिजिटल क्रॉप सर्वे

बलौदाबाजार । वर्तमान खरीफ सीजन में किसानों द्वारा लागए गए फसल व रकबे की शुद्धता हेतु जिले मे डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा सोमवार को तहसील लवन अंतर्गत ग्राम पनगांव के एक किसान के खेत पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रिमझिम बारिश के बीच डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का निरीक्षण किया और स्वयं मोबाइल से क्रॉप सर्वे का सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने भूमिस्वामी किसान सनोज सिंह से खसरा नंबर 1369/48 जमीन मे लगे फसल और गिरदावरी के सम्बन्ध मे पूछ ताछ की।उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे की उपयोगिता की जानकारी दी।उन्होंने राज्य शासन द्वारा धान के बदले अन्य फसल पर आदान सहायता राशि की भी जानकारी दी। उन्होंने पटवारी से गांव मे कुल खसरे एवं अब तक की गई सत्यापन की जानकारी ली। धीमे प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तय समय पर सभी खसरो क सत्यापन पूर्ण कराने एवं शुद्धता पूर्वक गिरदावरी कराने के निर्देश दिये।कलेक्टर श्री शर्मा ने सर्वेयर को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी खसरों का शुद्धतापूर्ण सर्वे किया जाए और बीच मे कोई खसरा न छूटे। बताया गया कि इस बार डिजिटल क्रॉप सर्वे हेतु आंकड़ों को सटीकता और विश्वनीयता बनाए रखने हेतु एआई का प्रयोग किया गया है जिसमें सर्वेयरों के फेस आधारित ई-केवायसी कार्य किया जाना ताकि फर्जी सर्वेयरों को रोका जा सके।एंगल बेस्ड कवरेज सिस्टम विकसित किया गया है ताकि गलत प्लॉट में सर्वे न किया जा सके।सर्वे के दौरान प्लॉट का धुँधला फोटो या अस्पष्ट फोटो ऐप द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकेगा ताकि पटवारी को अनुमोदन के समय फसल की स्पष्ट फोटो अवलोकन के लिए प्रदर्शित हो।

धमधा मार्ग पर कार-बाइक की जबरदस्त भिड़ंत, दो युवक गंभीर

खैरागढ़ । बाजार अतरिया के समीप जोरातराई के पास रविवार 23 अगस्त की रात करीब साढ़े आठ बजे कार और बाइक के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार मदनपुर निवासी हुलास साहू और योगेश साहू गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि एक की स्थिति नाजुक होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद दोनों घायलों को तत्काल धमधा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए भिलाई के नेहरू नगर स्थित पल्स हॉस्पिटल रेफर कर दिया, जहां दोनों का उपचार जारी है। घायल हुलास साहू के बड़े भाई श्यामलाल साहू ने छुईखदान थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हुलास और योगेश मोटरसाइकिल क्रमांक CG 08 0223 से धमधा की ओर से अपने गांव मदनपुर लौट रहे थे। इसी दौरान खैरागढ़ की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही महिंद्रा XUV700 क्रमांक CG 04 QH 4039 ने कथित तौर पर लापरवाहीपूर्वक बाइक को टक्कर मार दी।

गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर बालोद में पावन माटी युक्त कलश का भव्य स्वागत

बालोद । संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी से लाई गई पावन माटी युक्त पवित्र कलश का शनिवार को बालोद जिले में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। बंजारी धाम जुंगेरा मंदिर से विधि-विधान एवं बाजे-गाजे के साथ पवित्र कलश को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय जुंगेरा लाया गया, जहां आयोजित गरिमामय समारोह में पूजा-अर्चना के पश्चात जिले के सभी 17 मंडलों के लिए कलश का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ खाद्य उद्योग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा तथा कबीर आश्रम परसदा के महंत पंचम दास शास्त्री जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उल्लेखनीय है कि रायपुर स्थित श्रीराम मंदिर में प्रदेश के पूज्य संत-महात्माओं की साक्षी में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में वाराणसी से लाई गई पावन माटी युक्त कलश की विधिवत पूजा-अर्चना की गई थी। इसके बाद प्रदेश के सभी 36 संगठन जिलों के अध्यक्षों को यह पवित्र कलश सौंपा गया, ताकि संत रविदास महाराज के समरसता और सामाजिक समानता के संदेश को प्रदेश के प्रत्येक गांव और नगर तक पहुंचाया जा सके।

'जहां भक्ति है, वहां शक्ति है और जहां समरसता है, वहां समाज की वास्तविक प्रगति' स्वागत उद्बोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने कहा कि जहां भक्ति है, वहां शक्ति है और जहां समरसता है, वहां समाज की वास्तविक प्रगति होती है। संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान एवं कलश वंदन कार्यक्रम सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश लेकर आगे बढ़ेगा।

बलौदाबाजार-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर जानलेवा गड्ढे, चार किमी सड़क जर्जर

बलौदाबाजार । बलौदा बाजार से बिलासपुर जाने वाले एकमात्र प्रमुख मार्ग पर करही मैकरी चौक से शिवनाथ नदी तक करीब चार किलोमीटर सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। सड़क पर जगह-जगह तीन से चार फीट तक गहरे गड्ढे हो गए हैं। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं हो पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बढ़ गया है। छोटी कारों और दोपहिया वाहनों के लिए इस मार्ग से सुरक्षित आवागमन करना मुश्किल हो गया है। बलौदा बाजार के वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चन्द्र श्रीवास्तव ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग शासन-प्रशासन से की है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग केवल बलौदा बाजार और बिलासपुर को जोड़ने वाला रास्ता नहीं है, बल्कि क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन की महत्वपूर्ण जीवनरेखा है। बिलासपुर में उच्च न्यायालय के साथ-साथ प्रमुख व्यापारिक एवं शैक्षणिक संस्थान होने के कारण बलौदा बाजार जिले से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन बिलासपुर आते-जाते हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के विभिन्न प्रमुख शहरों की ओर आवागमन के लिए भी बिलासपुर महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में इस मुख्य मार्ग पर यातायात का दबाव लगातार बना रहता है। सड़क की वर्तमान स्थिति के कारण वाहन चालकों को गड्ढों से बचकर निकलने के लिए बार-बार वाहन की दिशा बदलनी पड़ती है। इससे आमने-सामने से आने वाले वाहनों के बीच टक्कर की आशंका भी बनी रहती है।

महापौर मधुसूदन यादव ने पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के साथ विकास कार्यो का किया निरीक्षण

राजनांदगांव । राज्य शासन के अधोसंरचना मद अंतर्गत विद्यार्थियों की शिक्षा सुविधा के लिए निर्माणाधीन नालंदा परिसर एवं पानी निकासी के लिए बनाये जा रहे नाला का महापौर मधुसूदन यादव ने पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के साथ निरीक्षण कर कार्य में गति लाने के निर्देश दिए ताकि समय सीमा में काम पूर्ण हो सके। गौरव पथ में निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण कर महापौर यादव ने निर्माण प्रक्रिया की तकनीकि अधिकारियो से जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व सांसद सिंह को जानकारी दी कि शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ में नालंदा परिसर योजना के तहत विद्यार्थियो की सुविधा के लिए 500 सीटर लायब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों के लिए क्लास रूम, रिडिंग जोन, पुस्कालय, केन्टीन की सुविधा के साथ भूतल व प्रथम तल में निर्माण किया जा रहा है। साथ ही पार्किंग, पानी निकासी के लिए नाली, बाउण्ड्रीवाल भी बनाया जायेगा। आयुक्त जी.आर. मरकाम ने निर्माण प्रगति की जानकारी दी कि प्रथम तल में स्लेब कास्टिंग किया जा रहा है और भूतल में पार्टिशन के लिए ईट जोडाई कार्य प्रगति पर है।

महापौर यादव ने तकनीकि अधिकारियो से कहा कि निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने कार्य में गति लाए, और बिल्डिंग के अलावा परिसर के अन्य कार्य भी साथ साथ करे। साथ ही निर्माण कार्य की निरंतर मानिटरिंग करे। पूर्व सांसद सिंह ने कहा कि शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ में विद्यार्थियों का भविष्य सवारने की अच्छी योजना है। इसलिए शासन मंशानुरूप इसका निर्माण हो, ताकि विद्यार्थी इसका लाभ उठा सके। गौरव पथ रोड समता भवन के पास नाला निर्माण का जायजा लेकर महापौर यादव ने कहा कि क्षेत्र में पानी भरान से निजात दिलाने नार कन्हैया नाला निर्माण किया जा रहा है, निर्माण में ढाल का विशेष ध्यान रखा जाये, जिससे समुचित पानी निकासी हो सके। उन्होंने इंदिरा नगर में पानी भरान रोकने राजीव नगर नाला को बसंतपुर होते हुए गोकुल नगर नाला मे जोडने कार्य योजना बनाने निर्देशित किए। उन्होंने पूर्व मंत्री स्वर्गीय लीलाराम भोजवानी जी स्मृति द्वार निर्माण का भी निरीक्षण कर सेन्ट्रींग की समयावधि की जानकारी लेकर आवागमन के लिए अवरूद्ध मार्ग हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान छ.ग. केश शिल्प कल्याण बोर्ड के सदस्य देवशरण सेन, क्षेत्रीय पार्षद सतीश साहू, अरूण साहू, पार्षद मनोहर यादव पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव सहित तकनीकि अधिकारी उपस्थित थे।

गौ सेवा के लिए दल्लीराजहरा के अमर लालवानी को राज्य अधिवेशन उदय 2026 में सम्मान

बालोद । महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल द्वारा आयोजित राज्य अधिवेशन उदय 2026 का भव्य आयोजन केवल्य धाम, कुम्हारी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दल्लीराजहरा के वीर अमर लालवानी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांग विकास निगम के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) वीर लोकेश कावड़िया और स्थ्व्स्थ्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सम्मेलन अध्यक्ष वीर राजेन्द्र जैन एवं संस्था के सदस्य वीर स्वाधीन जैन के करकमलों से प्रदान किया गया। अमर लालवानी द्वारा लगातार अपने क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में दिन हो या रात, गौ सेवा के लिए सदैव निस्वार्थ भाव से तत्पर रहते हैं। चाहे घायल गौवंश का इलाज कराना हो, भूखे गौवंश को चारा-पानी की व्यवस्था करना हो या सड़क पर बैठे गौवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना हो, वे अपनी टीम के साथ हर समय सेवा में लगे रहते हैं। उनकी इसी निस्वार्थ गौ सेवा, समर्पण और मानवता भरे कार्यों को देखते हुए उन्हें व उनकी टीम को यह विशेष सम्मान प्राप्त हुआ है। आयोजकों ने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने कार्यों में व्यस्त हैं, ऐसे में अमर लालवानी जी द्वारा गौ माता की निस्वार्थ सेवा करना वास्तव में सराहनीय है। गौ सेवा ही सच्ची सेवा है और उनका यह कार्य पूरे समाज और युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। अधिवेशन का मुख्य मंत्र सेवा, संस्कार, स्वावलंबन रहा, जिसको अमर लालवानी जी अपने जीवन में चरितार्थ कर रहे हैं। इस अवसर पर दल्लीराजहरा से महावीर चोपड़ा, रंजीत वर्मा, सोहम गुप्ता, अमन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महिला पतंजलि योग समिति डोंगरगढ़, हरेली तीज का प्रोग्राम आयोजित किया गया

डोंगरगढ़ । तहसील डोंगरगढ़ में कई सालों से महिला पतंजलि योग समिति के द्वारा निशुल्क योग क्लासेज कई जगहों पर चलाई जा रही है, और इन महिलाओं के द्वारा समय-समय पर विविध कार्यक्रम के साथ-साथ समाज सेवा और योग सेवा के भाव से निरंतर आगे बढ़ते हुए महिला योग समिति आज बहुत ही अच्छे निरंतर कार्य पर लगी हुई है सावन के इस शुभ अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति की समस्त महिलाओं के द्वारा हरेली तीज का प्रोग्राम स्वागतम होटल में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, जिसमें 40 महिलाओं ने बहुत ही सुंदर तरीके से और अच्छे वस्त्रो के साथ उपस्थित दिखाई, अलग-अलग तरह के गेम खेले गए और उसके साथ आकर्षक उपहार भी दिए गए, बच्चों व महिलाओं के द्वारा नृत्य व संगीत की प्रस्तुति के साथ-साथ सभी प्रतियोगिता में भाग लेकर इस प्रोग्राम को और भी आकर्षक ढंग से संपन्न किया गया महिला पतंजलि की समस्त महिलाओं के द्वारा डोंगरगढ़ वासी समस्त महिलाओं को हरेली तीज की बहुत बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

रेल संघर्ष समिति की बैठक में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू के माध्यम से रेल मंत्री तक मांग पहुंचाने का निर्णय

अकलतरा । स्थानीय रेस्ट हाउस में नगर एवं क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में रेल संघर्ष समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अकलतरा रेलवे स्टेशन पर मुंबई मेल एवं आजाद हिंद एक्सप्रेस के स्टॉपेज सहित क्षेत्र की रेल सुविधाओं से जुड़ी मांगों को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में समिति के संयोजक संतोष अग्रवाल ने पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार डीआरएम से हुई त्रिसदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात की जानकारी देते हुए बताया कि अकलतरा में मुंबई मेल एवं आजाद हिंद एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर डीआरएम से चर्चा की गई थी। डीआरएम ने ट्रेनों के स्टॉपेज के लिए प्रस्ताव तैयार कर रेलवे बोर्ड, दिल्ली भेजने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। बैठक में उपस्थित लोगों ने रेल सुविधाओं से संबंधित समस्याओं एवं मांगों को लेकर अपने-अपने सुझाव रखे। विधायक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्रीय मंत्री तोखन साहू छत्तीसगढ़ का केंद्र सरकार में प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए उनसे मुलाकात कर अकलतरा की रेल संबंधी मांगों को पूरा कराने का अनुरोध किया जाना चाहिए। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लक्ष्मण मुकीम ने विधायक के सुझाव का समर्थन करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री तोखन साहू संवेदनशील एवं सुलझे हुए नेता हैं। उनसे संपर्क कर क्षेत्र की रेल समस्याओं को उनके माध्यम से रेल मंत्री तक पहुंचाया जाना चाहिए।सतीश दीवान ने डीआरएम से पुन: मुलाकात कर पूर्व में दिए गए आश्वासन पर हुई कार्रवाई की जानकारी लेने की बात कही। वहीं देवेंद्र जैन ने कहा कि लंबे समय से लंबित रेल समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन ही प्रभावी रास्ता है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़क जर्जर, गड्ढों में तब्दील हुआ

जांजगीर-चांपा डभरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम छूहीपाली से कटे ?कोनी छोटे होते हुए मार्ग तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई सड़क इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है, जो प्रतिदिन इसी मार्ग से स्कूल आने-जाने के दौरान दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की हालत लंबे समय से खराब है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से ठोस पहल नहीं की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क की मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की थी, लेकिन आरोप है कि ठेकेदार द्वारा केवल खानापूर्ति करते हुए लिपापोती जैसी मरम्मत कर दी गई और इसके बाद सड़क की वास्तविक स्थिति जस की तस बनी हुई है। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भरने से सड़क की स्थिति और भी खराब हो गई है। पूरे कटेकोनी छोटे गांव के ग्रामीण सड़क की दुर्दशा भुगतने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि सड़क का तत्काल निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण तरीके से मरम्मत कराई जाए, ताकि स्कूली बच्चों सहित आम राहगीरों को राहत मिल सके।

एक और पड़ोसी मुल्क से रिश्तों में सूझबूझ हमारे लिए जरूरी

बांग्लादेश हमारे लिए एक समस्या बना हुआ है और इसे नजरअंदाज करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। फिलहाल सबसे बड़ा मसला बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की प्रस्तावित भारत यात्रा है। भारत ने उन्हें औपचारिक निमंत्रण दे रखा है। बल्कि देखें तो फिलहाल दो निमंत्रण हैं- एक द्विपक्षीय यात्रा का और दूसरा ब्रिक्स समिट के लिए।

फिर भी, हर दिन इस पर असमंजस और गहराता जा रहा है कि क्या रहमान भारत आएंगे? अगस्त के आखिर में उनके आने की उम्मीद थी। फिर शेख हसीना ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और नई सरकार पर बांग्लादेश को बर्बाद करने का आरोप लगाया।

रहमान के मंत्रियों ने भी भारत पर हसीना को समर्थन देने का आरोप लगाया। तो यात्रा टल गई। अब रहमान के सलाहकार का कहना है कि भारत की उनकी पहली यात्रा द्विपक्षीय होनी चाहिए। इससे ब्रिक्स में उनकी भागीदारी की संभावना खत्म होती दिखती है। जबकि द्विपक्षीय यात्रा अभी भी अनिश्चित है।

रहमान की यात्रा को लेकर यह असमंजस कई मायनों में दोनों देशों के बीच रिश्तों की अनिश्चितता का ही प्रतिबिम्ब है। इसका पहला नतीजा तो साफ है कि अब हसीना वाले दौर में वापस नहीं लौटा जा सकता। वह दोनों देशों के बीच असाधारण गर्मजोशी, भरोसे और सहयोग का दौर था।

ढाका भारत का भरोसेमंद साझेदार था। तब हमारे बीच सुरक्षा सहयोग गहराया था, कनेक्टिविटी बढ़ी थी और राजनीतिक रिश्ते स्थिर रहे थे। अब समीकरण बदल गए हैं। बांग्लादेश के वोटर दक्षिणपंथ की ओर झुक गए हैं। आज वहां एक उदार और धर्मनिरपेक्ष पार्टी के लिए बहुत कम गुंजाइश बची है और वोटरों के एक हिस्से में भारत को लेकर संदेह बढ़ा है। हसीना राजनीतिक वापसी की बात करती तो हैं, लेकिन अभी यह नामुमकिन लगता है। शुरुआत में रहमान का रुख भारत के प्रति तर्कसंगत और संतुलित नजर आया था। लेकिन हाल के संकेत चिंताजनक हैं, खासकर पाकिस्तान के साथ काम करने की बांग्लादेश की बढ़ती इच्छा। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उस गठजोड़ में ढाका की दिलचस्पी है, जिसे 'इस्लामिक नाटो' कहा जा रहा है। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये ने एक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत इनमें से किसी एक देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा। बांग्लादेश ने अब कहा है कि इन तीन देशों से जुड़े किसी आर्थिक या रक्षा ढांचे में शामिल होने को लेकर उसका रुख सकारात्मक है। अगर ऐसा होता है तो 1971 के इतिहास और बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा किए नरसंहार के बावजूद ये दोनों एक ही सैन्य गठबंधन में आ सकते हैं।

यह स्थिति रणनीतिक रूप से भी भारत के लिए असहज है। अभी यह कथित 'इस्लामिक नाटो' मूल रूप से पश्चिम एशिया का समूह है। इसके सुरक्षा संबंधी गुणा-भाग उसी क्षेत्र पर केंद्रित हैं और सीधे तौर पर यह भारत के खिलाफ नहीं दिखता।

लेकिन जैसे ही बांग्लादेश इसका सदस्य बना, हालात बदल जाएंगे। तब यह समूह दक्षिण एशिया और संभवत: भारत के पूर्वी हिस्से तक आ पहुंचेगा। बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में फैलाव ला रहा है और यह आगे भी जारी रहेगा। इस दूसरी हकीकत के लिए भी हमें तैयार रहना होगा।

बांग्लादेश एक अहम रणनीतिक तटरेखा वाला 17.8 करोड़ लोगों का देश है और बीते दो दशकों में उसकी आर्थिक उन्नति की कहानी भी प्रभावशाली रही है। अमेरिका उससे जुड़ना चाहता है। चीन वहां अपना प्रभाव चाहता है। यूरोप भी उसमें हिस्सेदारी चाहता है।

अब पश्चिम एशिया की ताकतें भी इस समीकरण में जुड़ रही हैं। हसीना के दौर में भी बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में विविधता ला रहा था। रहमान के दौर में यह प्रक्रिया और तेज होने की उम्मीद है। भारत इसे रोक नहीं सकता।

वह बांग्लादेश से यह उम्मीद नहीं कर सकता कि वह भारत को चुने और बाकी देशों को दूर रखे। लेकिन अपने हितों को आगे बढ़ाने और किसी ऐसे रणनीतिक विकल्प को अपनाने में फर्क है, जो सीधे भारत की सुरक्षा को प्रभावित करता हो। पाकिस्तान से सम्बद्ध और भारत के पूर्वी पड़ोस तक पहुंचने वाला कोई भी सैन्य समझौता दूसरी श्रेणी में ही आएगा।

इसलिए हमें सावधानी भरा संतुलन बनाना होगा- दुश्मनी के बिना सतर्कता और आत्मसंतुष्टि के बिना जुड़ाव बनाते हुए। कुछ दिन पहले भारतीय उच्चायुक्त ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं रहमान की भारत यात्रा 'यादगार' हो। शायद भारत पर्सनल डिप्लोमेसी पर भरोसा कर रहा है और यह बुरा आइडिया नहीं। क्योंकि राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद इस रिश्ते की बुनियाद अब भी मजबूत है।

भारत का लक्ष्य पुराने बांग्लादेश को वापस पाना नहीं है। उसे ऐसे नए बांग्लादेश के साथ काम करने का रास्ता तलाशना है, जो ज्यादा स्वतंत्र है, ज्यादा विविधता वाला है। वह हमारे प्रति मित्रवत नहीं होकर भी एक महत्वपूर्ण पड़ोसी है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

युवा उम्र में चरित्र को समझें और अपने तेज का उपयोग करें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज के समय में युवा और बच्चे शिक्षा के साथ अपने करियर को लेकर काफी मेहनत कर रहे हैं। प्रतियोगिता बढ़ने के कारण हर कोई बेहतर योग्यता हासिल करना चाहता है। लेकिन केवल मेहनत और शिक्षा ही जीवन में सफलता के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इनके साथ संस्कार, चरित्र, अनुशासन और आत्मविश्वास का तेज भी जरूरी है। यही गुण व्यक्ति को भीड़ से अलग पहचान देते हैं।

जब हम अच्छे संस्कारों को अपने जीवन का हिस्सा बनाते हैं, तब हमारा चरित्र मजबूत होता है। व्यक्ति का वास्तविक तेज केवल उसके बाहरी व्यक्तित्व, पहनावे या दिखावे से नहीं आता, बल्कि उसके विचारों, व्यवहार और कर्मों से प्रकट होता है। हर व्यक्ति के भीतर सूर्य के समान ऊर्जा और तेज मौजूद है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि वह अपनी क्षमता को पहचाने और सही दिशा में उसका उपयोग करे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिखा है— 'राकापति षोडस उअहिं तारागन समुदाइ, सकल गिरिन्ह दव लाइअ बिनु रबि राति न जाइ।' ** अर्थात यदि सोलह कलाओं से पूर्ण चंद्रमा उदित हो जाए और आकाश में असंख्य तारों का समूह दिखाई दे, यहां तक कि सभी पर्वतों में दावानल भी जल उठे, फिर भी सूर्य के उदय के बिना रात समाप्त नहीं हो सकती। यह उदाहरण हमें बताता है कि वास्तविक प्रकाश और सामर्थ्य का कोई विकल्प नहीं होता। विशेष रूप से युवा अवस्था जीवन का ऐसा समय है, जब व्यक्ति अपने व्यक्तित्व और चरित्र की मजबूत नींव रख सकता है। इस उम्र में मिली अच्छी संगति, अनुशासन और संस्कार आगे के पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। इसलिए युवाओं को अपनी ऊर्जा को नकारात्मक गतिविधियों में खर्च करने के बजाय अध्ययन, योग, व्यायाम, सेवा और रचनात्मक कार्यों में लगाना चाहिए। बच्चों को बचपन से ही सूर्य नमस्कारजैसी भारतीय परंपराओं से जोड़ना भी उपयोगी हो सकता है। सूर्य को जल अर्पित करने की परंपरा के आध्यात्मिक पक्ष के साथ सुबह की नियमित दिनचर्या, प्रात:कालीन प्रकाश और एकाग्रता जैसे व्यावहारिक पहलुओं को भी समझाया जा सकता है। उम्र लगातार आगे बढ़ती रहती है। कोई भी समय इतना सुंदर नहीं होता कि वह जीवनभर ठहर जाए। इसलिए अपने भीतर मौजूद तेज को पहचानने का सबसे अच्छा समय आज ही है।

टेढ़ा खड़ा रहना कोई गलत नहीं है, लेकिन सही है।

सबसे पहले उन विज्ञापन जिंगल्स को याद करें, जो 'टेढ़ा है...' से शुरू होते थे या वे विज्ञापन, जो '...सही है' पर खत्म होते थे? और कल्पना कीजिए कि जब आप 3 साल के थे तो कैसे आंखें बंद करके एक पैर पर सारस की तरह खड़े होते थे, दूसरा पैर किक मारने के लिए तैयार रखते थे।

दोनों हाथों को फैलाकर खुद को ऐसा दिखाते थे जैसे कोई प्लेन टेक-ऑफ के लिए तैयार हो और आखिर में दोनों पैरों से जंप करके सोफे पर चढ़ जाते थे। जब हम बच्चे थे तो यह खेल कितना आसान था। लेकिन अगर आप 60-प्लस की उम्र में ऐसा करें तो पैर डगमगा सकते हैं और टखने कांप सकते हैं। हो सकता है आप दाएं-बाएं झूल जाए और आखिर में आगे की ओर जा गिरें।

विज्ञान कहता है कि लंबी उम्र के लिए जरूरी बैलेंस के लिए सिंगल-लेग एक्टिविटी सबसे अच्छी ट्रेनिंग मानी जाती है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित 2022 के एक अध्ययन के अनुसार 51 से 75 वर्ष की उम्र के ऐसे 84% लोग, जो आंखें खुली रखकर कम से कम 10 सेकंड तक एक पैर पर खड़े नहीं हो सके, उनमें मृत्यु का जोखिम अधिक पाया गया।

2024 के मेयो क्लिनिक के एक अध्ययन के अनुसार सिंगल-लेग बैलेंस टेस्ट को न्यूरोमस्कुलर एजिंग का एक प्रमुख संकेतक भी माना जाता है। शोध का निष्कर्ष था कि कोई व्यक्ति- पुरुष या महिला- कितनी देर तक एक पैर पर बैलेंस बनाए रख सकता है, यह उम्र बढ़ने के बाकी मानकों की तुलना में सबसे विश्वसनीय संकेतक बनकर सामने आया है।

उम्र बढ़ने के साथ हम संतुलन की समस्या को अकसर यह कहकर नजरअंदाज कर देते हैं कि 'अरे, यह तो उम्र बढ़ने की वजह से है।' उम्र संबंधी समस्याएं तो होंगी, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम इसमें सुधार नहीं कर सकते। विकसित देशों में बहुत-सी 'बैलेंस सोसाइटीज' हैं और वहां डॉक्टर उम्रदराज लोगों में संतुलन की समस्या का पता लगाते हैं। वे विविध कार्यक्रमों के जरिए उनके गिरने से बचाव और संतुलन में सुधार पर जोर देते हैं।

जरूरी नहीं कि संतुलन सिर्फ बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण है। यह युवाओं की परफॉर्मेंस को भी सुधारता है। जिस स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की हम बात करते हैं, वो बैलेंस के सिद्धान्त पर ही आधारित है, क्योंकि मांसपेशियों से स्टेबलिटी और मोबिलिटी को सहारा मिलता है। रोजमर्रा की जिंदगी में एक संतुलित मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम व्यक्ति को असामान्य मूवमेंट पैटर्न से बचाता है। ऐसा पैटर्न नॉन-एथलीट्स लोगों में भी इंजरी का कारण बन सकता है।

हमें यह समझना जरूरी है कि बैलेंस हमारे शरीर की संवेदी प्रणालियों के एक साथ काम करने का जटिल-सा मेल है- ऑक्युलर सिस्टम (दृष्टि), गुरुत्वाकर्षण पर निर्भर वेस्टिब्युलर सिस्टम (अंदरूनी कान) और प्रोप्रियोसेप्शन (शरीर की स्थिति के बारे में जागरूकता)।

यही कारण है कि जब आप बैलेंस एक्सरसाइज में आंखें बंद कर लेते हैं तो इसे करना कठिन हो जाता है, क्योंकि दिमाग को तीन के बजाय दो ही संवेदी अंगों से जानकारी मिल पाती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि बैलेंस में न्यूरोमस्कुलर कोऑर्डिनेशन भी शामिल होता है, यानी आपका मस्तिष्क और शरीर कितना बेहतर कम्युनिकेट कर पाते हैं। यह कई सारे कारकों पर निर्भर होता है। इसीलिए बैलेंस ट्रेनिंग को ब्रेन ट्रेनिंग भी कहते हैं।

इसलिए टारगेटेड बैलेंस एक्सरसाइज को डेली रूटीन में या कम से कम हफ्ते में तीन-चार बार तो करना ही चाहिए। एक सीध में चलें और अगर पलक झपकानी पड़े तो झपकने दें। टीवी देखते समय विज्ञापन के दौरान 30 सेकंड तक एक पैर पर खड़े रहें। अगले विज्ञापन में दूसरे पैर पर खड़े हों।

छह महीने में शरीर इन प्रक्रियाओं को याद रखना शुरू कर देगा। फिर आगे बढ़िए, लिविंग रूम में थोड़ी जगह बनाकर तीन साल के बच्चे की तरह खड़े हो जाइए, जो विमान की तरह टेक-ऑफ के लिए तैयार है। यह मत भूलिए कि एक पैर पर खड़े होना यकीनन इस बात का अप्रत्याशित संकेतक है कि हम कितने साल जिएंगे।

फंडा यह है कि 'टेढ़ा खड़ा रहना कोई गलत नहीं है, लेकिन सही है।' यह सिर्फ ज्यादा लंबा जीने की बात नहीं, बल्कि गुणवत्ता वाली जिंदगी जीने की है। बैलेंस हर उम्र में गेमचेंजर है।

सबसे बुरा होता है

"अपनों का एकाएक हाथ छोड़ देना,
दोस्त का मुश्किल में साथ छोड़ देना
हौसला देने वाली मन की ताक़त का,
एकाएक हमारा यक़ीन तोड़ देना!!"
कविता"आत्मा"

Kavita Sharma Kaushik

व्यवस्था सुधार नहीं सकते तो निरीक्षण किसलिए स्कूल का

हर राज्य में सरकारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था निरीक्षण करने का अधिकार सरकारी अधिकारियों को होता है।वह करते भी हैं ताकि जिन स्कूलों में शिक्षा के लिए जरूरी व्यवस्था नहीं है वहां जरूरी व्यवस्था की जा सके और बच्चों को शिक्षा में सुविधा हो।स्कूलों में शिक्षा का न्यूनतम स्तर कायम रहे।हर राज्य में अगर कोई स्कूली शिक्षा व्यवस्था में कमी तलाशने जाएगा तो शायद ही कोई राज्य ऐसा होगा जहां के किसी न किसी स्कूल में कोई जरूरी व्यवस्था न मिले।किसी स्कूल का भवन नहीं होगा तो वह किसी किराए के भवन मे चल रहा होगा कई भवनों में दो पारी में स्कूल लग रहे होंगे, कई स्कूलों का अपना भवन होगा तो वह पुराना हो गया होगा,जर्जर हो गया होगा, मरम्मत की जरूरत हो मरम्मत तक नहीं हो पा रही होगी।बच्चों को समय पर गणवेश,किताबें नहीं मिलती हैं। कहीं एक ही शिक्षक मिलेगा।कहीं जरूरत से ज्यादा शिक्षक भी मिलेंगे।शिक्षक होंगे तो समय पर स्कूल नहीं आते होंगे,स्कूल आते होंगे तो ठीक से पढ़ाते नहीं होंगे। कोई शराब पीकर स्कूल आ जाता है और पढ़ा नहीं पाता है, कोई स्कूल आता है तो ध्यान पढ़ाने में कम बच्चों को सुधारने में ज्यादा रहता है।स्कूल में किसी न किसी विषय का टीचर नहीं होगा।

चाहे भाजपा की सरकार रहे या कांग्रेस की सरकार रहे या किसी तीसरे दल की सरकार रहे सरकारी स्कूल हमेशा सरकारी स्कूल ही बने रहते हैं,वहां की व्यवस्था नहीं बदलती है।कोई सरकार हिंदी स्कूलों की हालत को सुधार नहीं पाती है लेकिन अंग्रेजी मीडियम वाले स्कूल खोलकर मान लेती है कि उसने राज्य में शिक्षा की क्रांति कर दी है।स्कूलों में शिक्षकों की कमी रहती है और शिक्षकों की भर्ती नहीं होती है।कोई सरकार सरकारी स्कूलों में जरूरी सुविधाएं नहीं कर पाती है लेकिन स्मार्ट क्लास खोलने पर आमादा रहती है ताकि स्मार्ट क्लास को देखकर किसी को पता न चले कि गांवों के स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था का कितना बुरा हाल है। हर सरकार शिक्षा के लिए कुछ न कुछ करती रहती है लेकिन स्कूल शिक्षा व्यवस्था हो या उच्च शिक्षा व्यवस्था वहां जरुरी सुविधाएं नहीं होती हैं।आजादी के 80 साल बाद देश में सरकारी स्कूल व्यवस्था नहीं सुधरी है तो इसका बहुत कुछ श्रेय राज्य सरकारों को भी जाता है क्योंकि कोई भी सरकार हो वह सुधार नहीं पाती है।

यह बात भाजपा व कांग्रेस दोनों राजनीतिक दल जानते हैं इसलिए वह कुछ क्षेत्र ऐसे होते हैं जिनमें राजनीति नहीं करते या कम राजनीति करते हैं क्योंकि दोनों ही राज्य मे शासन कर चुके होते हैं और राज्य में वर्तमान में समस्या है तो दोनों समस्या के लिए दोषी है।कोई एक दूसरे को समस्या के लिए दोषी ठहराएगा तो दूसरा भी उसे भी दोषी ठहराएगा।लेकिन सीजेपी नई नई राजनीति में आई है इसलिए उसे नया नया जोश है,सरकारी व्यवस्था में खामी को बताने का। वह इस बात से खुश हो सकते हैं कि कहीं तबेले में स्कूल चल रहा था, उनके खुलासा करने से अब स्कूल तबेले में नहीं लग रहा है।वह सोच रहे होंगे कि उन्होंने कोई ईनाम पाने वाला काम कर दिया तो यह उनकी गलतफहमी है क्योंकि एक नहीं सैकड़ों स्कूल अपना भवन न होने के कारण तबेले में लग रहे होगे।एक कमरे में लग रहे होंगे,एक कमरे में कई कक्षाएं लग रही होंगी।उनके स्कूल निरीक्षण से किसी राज्य में कुछ भी शिक्षा के क्षेत्र में बदलने वाला नहीं है।वह सोचते है कि उन्होंने आंदोलन करके शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया तो क्या देश की शिक्षा व्यवस्था सुधर गई। उनके आंदोलन या शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से देश मे कुछ भी नहीं बदलने वाला है।

देश या किसी राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सुधारना उतना आसान नहीं है जितना काकरोच जनता पार्टी के नेता समझते हैं। किसी राज्य की शिक्षा व्यवस्था की खामी बताने से शिक्षा व्यवस्था कहां सुधरती है।वह क्या कर रहे हैं कि स्कूल में जा रहे है और बता रहे कि स्कूल में शिक्षा की क्या व्यवस्था नहीं है,उनको व्यवस्था पता चलने पर वह क्या कर सकते हैं,स्कूल सुधारने के लिए कुछ कर सकते हैं,नहीं कर सकते।जब किसी स्कूल की व्यवस्था वह सुधार नहीं सकते तो उनके स्कूल निरीक्षण करने का क्या मतलब रह जाता है। ऐसे में लोग तो यह कहेंगे ही कि सीजेपी वालों के स्कूल निरीक्षण का मकसद तो राजनीति करना है,भाजपा शासित राज्यों के स्कूलों में जाकर क्यों शिक्षा की खामी बता रहे हैं।कांग्रेस व दूसर दलों के शासन वाले राज्यों में जाना चाहिए और बताना चाहिए वहां क्या खामी है तो समझ में आता कि उनका मकसद सभी राज्यों की शिक्षा व्यवस्था को देश के लोगों को बताना है, कई लोग तो यह भी कह सकते हैं कि स्कूलों की व्यवस्था को देश के लोगों को बताने से क्या होगा क्योंकि देश के लोग जहां रहते हैं वह वहां की शिक्षा व्यवस्था के बार मे बखूबी जानते हैं कि क्या ठीक है और क्या ठीक नहीं है।

जंतर मंतर के आंदोलन की सफलता का नशा सीजेपी नेताओं को चढ़ गया तो उनके सामने समस्या थी कि अब क्या किया जाए जिससे देश में उनकी वाहवाही हो और देश के लोगों को लगे कि हां यह लोग देश की हर जरूरी व्यवस्था सुधारने का काम कर सकते हैं।उन्होंने घोषणा कर दी कि वह राज्यों में जाएंगे और स्कूलों का निरीक्षण कर बताएंगे कि स्कूल मे क्या समस्या है। उनका पता नहीं था कि उनको यह काम करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि वह भी सरकारी स्कूल है, वहां जाने के लिए अनुमति जरूरी होती है।स्कूल निरीक्षण करने का अधिकार उनको नहीं है,इसलिए स्थानीय लोगों को यह पसंद नहीं आया कि कोई बाहरी स्कूल में घुसे और स्थानीय लोगों ने उनकी पिटाई कर भगा दिया। अब वह रो-रो कह रहे हैं कि हमको मारा गया।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कैकेईजी द्वारा वनवास का वरदान मांगने की बात सुनकर भगवान राम ने दो दृष्टि से कैकेईजी को जननी कहा। एक तो भगवान राम का तात्पर्य था कि मां ! तू तो जानती थी, मैं संतुष्ट हूं कि तुम्हारी अभिलाषा जल्दी पूर्ण होने जा रही है, क्योंकि पता नहीं यह शरीर कितने दिन जीवित रहता और कब जन्म होता और कब मैं तुम्हारा बेटा बनता। पर मां अब लोक दृष्टि से तुम्हारी मृत्यु हो चुकी है क्योंकि सब लोग तुम्हारे विरोधी हो गए हैं। और मेरी दृष्टि में तुम्हारा पुनर्जन्म हो गया है तथा साथ-साथ भगवान राम ने कहा, मां ! विश्वास रखो कि इस जन्म में राम ही तुम्हारा बेटा है, भरत तुम्हारा बेटा नहीं। यही हुआ भी। भरतजी ने तो जीवन भर कैकेई को मां कहकर पुकारा ही नहीं।

भगवान राम ने एक दिन एकांत में कैकेईजी से पूछ दिया कि भरत तुम्हें मां कहकर नहीं पुकारते तो तुम्हें दुख तो नहीं है। कैकेईजी ने कहा कि मुझे तो रंचमात्र दुख नहीं है क्योंकि भरत को जब तक मैं पुत्र समझती रही तब तक मैंने न जाने कितने अनर्थ किए। पर जब भरत ने मां कहना छोड़ दिया, संसार ने मुझे छोड़ दिया तो तुमने पकड़ लिया और जब तुमको पुत्र के रूप में पा लिया तो अब मेरे मन में कुछ पाने के अभिलाषा नहीं है। इसका अभिप्राय है कि जब लोक मंगल के लिए राम का नया जन्म हुआ, तो उसकी हेतु कैकेई बनीं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

वही बाहर आता है जो आदमी के भीतर होता है

कोई भी क्षेत्र हो,उस क्षेत्र का आदमी जो कुछ कहता है,उससे पता चलता है कि उसके भीतर क्या है और जो भीतर होता है, वही बाहर आता है। ऐसा हो नही सकता कि आदमी के भीतर जो नहीं है, वह उसकी बातों के जरिए बाहर आ जाए।आदमी की बातों के जरिए वही बाहर आता है, जो उसके भीतर होता है।कांग्रेस और राहुल गांधी के बारे में सब जानते हैं कि सनातन,हिंदू धर्म के विरोधी है।यही वजह है कि वह किसी भी मंच पर किसी भी विषय में कोई बात कहें,सनातन और हिंदू धर्म विरोधी बातें उनके मुंह से निकल ही जाती हैं।वह सनातन व हिंदू धर्म को दूसरे धर्मो से ज्यादा बुरा बताने का प्रयास करते हैं।यही वजह है कि जब वह स्त्री स्वतंत्रता की बात करते हैं, उनके अधिकारों की बात करते हैं तो वह मनुस्मृति की बात जानबूझकर करते हैं ताकि यह बताया जा सके कि आज भी बहुसंख्यक हिंदू समाज में जो नारी स्वतंत्रता का जो विरोध होता है,उसकी जड़े मनुस्मृति में हैं।

राहुल गांधी जब पुणे कार्यक्रम मे कहते हैं कि मनु स्मृति में कहा गया है कि बचपन में महिला को पिता के अधीन होना चाहिए,युवावस्था में पति के अधीन होना चाहिए और पति के न रहने पर पुत्र के अधीन रहना चाहिए। एक महिला कभी आजाद नहीं हो सकती है।एक समस्या है और काफी बड़ी समस्या है,जब भी मैं पुरुषों से बात करता हूं तो महिलाओं को तीन बाक्स में रखा जाता है,बेटी,मां या पत्नी के रूप में।मां,पत्नी व बेटी के रूप में देखे जाने मे कोई बुराई नहीं है।लेकिन सिर्फ यही उनकी पहचान नही हो सकती। महिलाएं प्रोफेशनल खिलाड़ी, लीडर, ,आंत्रपेन्योर बहुत कुछ हैं लेकिन पुरुष उन्हें यह तीन पहचान ही देते हैं।इन तीनों पहचानों का पुरुषों से रिश्ता है।चाहे मां हो, बेटी हो या पत्नी हो।इससे साफ हो जाता है कि राहुल गांधी भी वही बात कर रहे हैं जो आजादी के बाद से वामपंथी करते आए हैं।

देश की ताकत हिंदू समाज हैं। देश की ताकत सनातन हैं। इसलिए वामपंथियों ने कई तरह से हिंदू समाज को कमजोर करने का प्रयास आजादी के बाद किया है।हिंदू समाज की ताकत उसकी परिवार की इकाई है,इसलिए परिवार को सबसे पहले कमजोर करने का प्रयास किया गया।परिवार की मजबूती का आधार नारी है, इसलिए हिंदू समाज की महिलाओं को आजादी,स्वावलंबन,अधिकार के नाम पर भड़काने का प्रयास किया गया।संयुक्त परिवार को समस्या बताया गया और एकल परिवार को अच्छा बताया गया।इसी का परिणाम है कि आज देश में संयुक्त परिवार कम हो गए हैं और इसका खामियाजा देश की नई पीढ़ी को भुगतना पड़ रहा है।संयुक्त परिवार में बच्चों के जो संस्कार मिला करते थे,वह एकल परिवार दे नहीं पा रहा है। यही वजह है कि बच्चे आज पहले के बच्चों की तरह संस्कारी नहीं रह गए हैं।एकल परिवार के लिए समस्या हो गए है और एकल परिवार बच्चों को न समझ पा रहा है और न समझा पा रहा है।

राहुल गांधी व कांग्रेस पीएम मोदी के आने के बाद से सबसे ज्यादा परेशान हैं क्योंकि पीएम मोदी ने कांग्रेस की बरसों की मेहनत पर पानी फेर दिया है,उन्होंने जिस हिंदू समाज को बरसों में कमजोर कर दिया था और वह हिंदू समाज फिर से जाति,भाषा,राज्य के दायरें से बाहर निकल एकजुट हो रहा है और यही समाज पीएम मोदी व भाजपा की ताकत है।पीएम मोदी ने 2014 के बाद सबसे ज्यादा काम किया है तो समाज के आर्थिक रूप से मजबूत करने का और महिलाओं को सबसे ज्यादा महत्व देने का। पीएम मोदी के आने के बाद महिलाओं के नाम से मकान है,राशन कार्ड है,उसे हर जरूरी सुविधा मोदी सरकार ने दी है।इससे देश का सबसे बड़ा वोट बैंक मोदी के साथ है और महिलाएं पीएम मोदी व भाजपा की जीत का मजबूत आधार हैं। यही वजह है राहुल गांधी जेन जी और छात्राओं को अन्याय,स्वतंत्रता के नाम पर भड़का रहे हैं। पीएम मोदी के मजबूत महिला वोट बैंक को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। राहुल गांधी पहली बार ऐसा नहीं कर रहे हैं वह महिला वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास पिछले चुनाव में भी कर चुके हैं वह महिलाओं को खटाखट पैसा देने का वादा करके देख चुके हैं। महिलाओं ने राहुल गांधी पर भरोसा नहीं किया। पं.बंगाल की महिलाओं,बिहार की महिलाओं ने हाल के चुनाव में दिखाया है कि वह पीएम मोदी पर भरोसा करती हैं।वह जानती हैं कि पीएम मोदी जब तक हैं,उनको हर तरह की सुविधा मिलती रहेगी। राहुल गांधी जेनजी व छात्राओं के गुस्से को बढ़ा सकते हैं,पीएम मोदी के खिलाफ करने का प्रयास कर सकते हैं लेकिन वह हमेशा की तरह असफल ही रहेंगे क्योंकि देरसबेर सबको पीएम मोदी समझा देंगे कि देश का भला पीएम मोदी व भाजपा ही कर सकते हैं और यह सच भी है। पिछले 12 सालों में पीएम मोदी ने देश के भले के लिए जो कुछ किया है वह कांग्रेस भी 50 साल में कर सकती थी लेकिन किया नहीं यही उसकी सबसे बड़ी खामी है।इस खामी को आज देश की जनता बखूबी जानती है।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

227 स्टूडेंट का विधायक सोनी ने दिया सक्सेस मंत्र: अच्छे नंबर लाने वालों को मिला 5-5 हजार के चेक; बड़ों के पैर छूकर स्कूल जाने की नसीहत

रायपुर। शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने सम्मान समारोह आयोजित किया।

24 अगस्त को जेआर दानी कालीबाड़ी रायपुर में छात्र-छात्राओं से संवाद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के साथ 5-5 हजार रुपए के चेक प्रदान किए।

कार्यक्रम में जेआर दानी कालीबाड़ी स्कूल की 75 छात्राओं को सम्मानित किया गया। बताया गया कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के 19 शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 227 विद्यार्थियों का अब तक उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चयन किया जा चुका है।

इनमें रायपुर के अलावा छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों के रहने वाले विद्यार्थी भी शामिल हैं। सम्मान मिलने से विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला।

विधायक सुनील सोनी ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में टाइम मैनेजमेंट का बहुत महत्व है। विद्यार्थियों को नियमित दिनचर्या अपनाने के साथ समय का पाबंद बनना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रात को सोने से पहले अगले दिन की पूरी दिनचर्या तय करें। अपने गंतव्य पर हमेशा निर्धारित समय से पहले पहुंचने की आदत डालें।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि स्कूल जाने से पहले घर के बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेकर निकलें। उन्होंने कहा कि छात्र केवल पढ़ने के लिए स्कूल नहीं आते, बल्कि वे अपने परिवार के सपनों को पूरा करने के लिए भी आगे बढ़ रहे हैं।

सुनील सोनी ने विद्यार्थियों को संयमित और ऊर्जावान रहकर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि जीवन में जिन महापुरुषों से प्रेरणा मिलती है, उनके बारे में पढ़ना चाहिए। उनके विचारों और संघर्षों से सीख लेकर विद्यार्थी अच्छे नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

मवेशियों की शिफ्टिंग में नाकाम:निगम के पास न तो जगह है और न कोई योजना इसलिए सड़कों पर मवेशी ही मवेशी

60 गायों को 7 घंटे घुमाया, 3 गोठानों ने लौटाया; फिर फुंडहर छोड़ा

रायपुर। फुंडहर गोठान में लगातार हो रही गायों की मौत के बीच नगर निगम की लचर कार्यप्रणाली सामने आई है। रविवार को 8 गायों की मौत के बाद सोमवार को निगम ने 60 गायों को शिफ्ट करने की योजना बनाई। बिना पूर्व तैयारी 6 काऊ कैचर वाहनों में निकली टीम 7 घंटे तक 46 किमी का चक्कर काटती रही।

धनेली, जरवाय और अटारी तीनों गोठानों के संचालकों ने क्षमता और संसाधनों की कमी बताकर गायों को रखने से इनकार कर दिया। नतीजतन, शाम को सभी मवेशियों को वापस फुंडहर गोठान में ही लाकर छोड़ना पड़ा।

स्थानीय पार्षद का आरोप है कि 10 दिनों में फुंडहर गोठान में 60 से अधिक गायों की मौत हुई है। गायों की मौत का मामला सामने आने के बाद निगम ने गायों को धनेली शिफ्ट करने की योजना बनाई थी। 260 गायों की क्षमता वाले फुंडहर गोठान में अभी 600 से अधिक गायें हैं।

सियासी वार: बिना योजना गायों को बारिश में प्रताड़ित किया

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने आरोप लगाया कि ट्रिपल इंजन सरकार में गोवंश की स्थिति बदहाल है। बिना योजना गायों को दिनभर बारिश में घुमाया गया। निगम के पास गोवंश को सुरक्षित रखने की बुनियादी व्यवस्था तक नहीं है।

घटनाक्रम: 46 किमी, 3 गोठान, अंत में ढाक के तीन पात

सुबह 10:30 बजे (धनेली) : 6 वाहनों में गायों को लेकर टीम 7 किमी दूर धनेली स्थित सद्गुरु मानव सेवा आश्रम पहुंची। गोशाला में ताला लटका मिला। संचालक ने संसाधन न होने और गोशाला बंद करने की बात कहकर मवेशी लेने से मना कर दिया। आश्रम संचालक ने सोमवार को ही कलेक्टर को पत्र लिखकर असमर्थता जताते हुए इसे गौ सेवा आयोग को सौंपने की मांग की।

दोपहर 3:00 बजे (जरवाय-अटारी): अधिकारियों के निर्देश पर टीम 23 किमी दूर जरवाय पहुंची। जरवाय और अटारी का संचालन कर रही नीरा कंस्ट्रक्शन ने भी हाथ खड़े कर दिए। संचालक तुलेंद्र साहू ने बताया कि अटारी में 300 और जरवाय में 160 मवेशी पहले से हैं। दोनों जगह निर्माण जारी है और निगम पर 5 महीने से करीब ?18 लाख का भुगतान बकाया है।

शाम 5:30 बजे (फुंडहर वापसी): जरवाय से 16 किमी का सफर तय कर टीम सभी गायों को वापस फुंडहर ले आई। संचालक विक्रांत शर्मा ने मजबूरी में गायों को अंदर लिया। उन्होंने कहा कि अनुबंध केवल 260 गायों का है, जबकि 600 से अधिक मवेशी भरे हैं और लंबे समय से भुगतान भी अटका है।

एक के बाद दूसरे गोठान भेजते रहे अधिकारी, किसी ने गाय नहीं रखीं

सुबह अधिकारियों के निर्देश पर हम 6 काऊ कैचर गाड़ियां लेकर फुंडहर गोठान पहुंचे और वहां से गायों को लोड कर धनेली गोठान ले गए। धनेली पहुंचने पर गोठान में ताला लगा मिला। वहां महिला संचालक ने गोठान बंद होने की बात कहकर गायों को रखने से मना कर दिया। जब हमने इस बारे में अपने अधिकारी को बताया तो उन्होंने गायों को जरवाय गोठान ले जाने का निर्देश दिया। तब जरवाय पहुंचे, लेकिन वहां भी जगह की कमी का हवाला देकर गायों को उतारने से इनकार कर दिया गया। अधिकारियों को दोबारा स्थिति बताई गई, जिसके बाद उनके निर्देश पर हम शाम 4 बजे सभी गायों को वापस लेकर फुंडहर गोठान लौटे और वहीं छोड़ दिया। - जैसा काऊ कैचर ड्राइवर मालिकराम ने बताया

मूल संकट: क्षमता से अधिक मवेशी, भुगतान तय संख्या का

गोठान संचालकों का आरोप है कि निगम अनुबंध से कहीं अधिक मवेशी भेज देता है, पर बिलिंग के वक्त सिर्फ अनुबंध के मुताबिक ही भुगतान करता है। बजट और चारे की कमी से व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। गोठानों के फुल होने से सड़कों से लावारिस मवेशियों को हटाना ठप है। आउटर में अंधेरे में बैठे मवेशियों से जनवरी से जुलाई तक 16 हादसों में 3 लोगों की जान जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति पढ़ेंगे कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति, इतिहास, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को अब स्कूली शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। प्रदेश के कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी स्थानीय कला, संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन से जुड़े विशेष पाठ पढ़ेंगे। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी माटी, जड़ों और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जोड़ना है। इस पहल के तहत छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, इतिहास, धरोहर, स्थापत्य, लोक परंपराओं, गीत-संगीत, संतों, महापुरुषों और रचनाकारों से संबंधित पाठ्य एवं दृश्य सामग्री तैयार की जा रही है। इसके लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद , शंकर नगर रायपुर में 24 से 26 अगस्त तक तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, सभ्यता और कला से जुड़े करीब 100 विषयों पर पाठ्य सामग्री तैयार की जा रही है। इन विषयों को अलग-अलग विधाओं में बांटकर विषयवार समूह बनाए गए हैं।

बुजुर्गों की याद में नीम, गुलमोहर, बेल, अमलतास और कदम के पौधे लगाए, महाआरती के बाद किया वृक्षारोपण

रायपुर। रायपुर जिला माहेश्वरी सभा की ओर से रविवार को माहेश्वरी भवन डुंडा में भगवान महेश की महाआरती और स्वजनों की स्मृति में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के वरिष्ठजनों और समाजबंधुओं की मौजूदगी में भगवान महेश की महाआरती से हुई। महाआरती के बाद समाजबंधुओं ने अपने-अपने स्वजनों की याद में छायादार पौधे लगाए। नीम, गुलमोहर, बेल, अमलतास, कदम और पारिजात सहित कई पौधे रोपे गए। प्रत्येक पौधे को स्वजनों की स्मृति से जोड़ा गया। इसके जरिए पर्यावरण बचाने और आने वाली पीढ़ी के लिए हरियाली बनाए रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में रायपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष उमेश राठी, सचिव सूरज प्रकाश राठी, प्रचार-प्रसार प्रभारी प्रदीप बियानी और कार्यक्रम संयोजक दीपक बूब, मनोज एम. राठी, श्रीनिवास चांडक व राजेश बियानी सहित पदाधिकारी और समाजबंधु मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर राठी, सुरेश मूंधड़ा, नारायण राठी, अजय सारडा, पवन मोहता सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल हुए।

सुपर गेहूं: कम पानी में बेहतर पैदावार, आयरन व जिंक भरपूर; रोटी मुलायम, बिस्किट भी बेहतर

रायपुर। हमने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के तहत संचालित बिलासपुर क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र में 10 साल की मेहनत के बाद गेहूं की बायोफोर्टिफाइड किस्म 'सीजी 1047' विकसित की है। इसे 'छत्तीसगढ़ ट्रॉम्बे कुमुद' के नाम से नई पहचान मिली है। इस किस्म को विकसित करने में मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) के वैज्ञानिकों ने हमारे साथ मिलकर काम किया। गेहूं की सूक्ष्म विशेषताओं का बारीकी से परीक्षण ट्रॉम्बे में किया गया।

इस गेहूं की बड़ी खासियत इसकी बेकिंग और चपाती क्वालिटी है। इसका चपाती मेकिंग स्कोर 10 में से 8 और बिस्किट स्प्रेडिंग फैक्टर 10 में से 8.7 दर्ज किया गया है। यानी इसकी रोटियां मुलायम और स्वादिष्ट बनेंगी और बिस्किट बनाने में भी यह बेहतर साबित होगा। यह बायोफोर्टिफाइड किस्म है। इसमें सामान्य गेहूं की तुलना में पोषक तत्व ज्यादा हैं। इसमें 12 प्रतिशत से अधिक प्रोटीन के साथ 41.7 पीपीएम आयरन और 41.7 पीपीएम जिंक पाया गया है।

तेज हवा में फसल के गिरनेका खतरा नहीं रहता

इस किस्म की खासियत यह है कि यह 2 से 3 सिंचाई वाले क्षेत्रों में अच्छी उत्पादकता देने की क्षमता रखती है। इसकी क्षमता करीब 36.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दर्ज की गई है। पौधे की औसत ऊंचाई 85 से 90 सेंटीमीटर है, जिससे तेज हवा में फसल के गिरने का खतरा नहीं रहता। इसके 1000 दानों का वजन करीब 41.5 ग्राम है। यह फसल 107 से 110 दिनों में पककर पूरी तरह तैयार हो जाती है। इसके दानों का रंग आकर्षक अम्बर (गेहुआं) है। यह महाराष्ट्र गोवा कर्नाटक के लिए उपयुक्त पाई गई है और छत्तीसगढ़ में इसकी खेती की जा सकती है ।

एम्स में मरीजों के इलाज के लिए होगा AI का इस्तेमाल, बीमारी की पहचान से डॉक्टरों के फैसले तक मिलेगी मदद

रायपुर। मरीजों के इलाज को बेहतर बनाने और अस्पताल की व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल बढ़ाने की दिशा में एम्स रायपुर और एनआईटी रायपुर ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दोनों संस्थानों के बीच एआई आधारित स्वास्थ्य समाधान विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन हुआ है। यह समझौता एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप और एम्स रायपुर के बीच छत्तीसगढ़ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन एआई के तहत किया गया है।

एम्स और एनआईटी के बीच सहयोग के तहत बीमारी की पहचान और एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स पर विशेष काम किया जाएगा। एआई तकनीक के जरिए उपलब्ध स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण कर बीमारी की पहचान में डॉक्टरों को मदद देने वाले समाधान विकसित किए जा सकते हैं। इसका उद्देश्य डॉक्टरों की जगह एआई को लाना नहीं, बल्कि चिकित्सकों को बेहतर और तेज निर्णय लेने के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना है।

रायपुर एम्स में टेस्ट के लिए पर्ची का झंझट खत्म, डॉक्टर के लिखते ही सीधे लैब पहुंचेगी जानकारी

समझौते के तहत क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम विकसित करने की दिशा में भी काम होगा। एआई मरीज से संबंधित उपलब्ध जानकारी और मेडिकल डेटा का विश्लेषण कर डॉक्टरों को उपचार संबंधी निर्णय लेने में सहायता कर सकेगा। ऐसी तकनीक विशेष रूप से जटिल मामलों में डॉक्टरों को उपलब्ध जानकारी को व्यवस्थित तरीके से समझने और संभावित विकल्पों का आकलन करने में मदद कर सकती है।

एआई के जरिए प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स पर भी काम किया जाएगा। इसका उद्देश्य मरीज के स्वास्थ्य से जुड़े उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कर संभावित स्वास्थ्य जोखिमों या भविष्य की स्थिति का अनुमान लगाने में चिकित्सकों की सहायता करना है। इससे मरीजों की निगरानी और उपचार की योजना को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिल सकती है।

एआई का उपयोग सिर्फ मरीजों के इलाज तक सीमित नहीं रहेगा। अस्पताल के संचालन और प्रबंधन में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान विकसित किए जाएंगे।

कला-संस्कृति का पाठ पढ़ेंगे 6वीं से 12वीं तक के स्टूडेंट:पहली बार राज्य तैयार करेगा लोक कला-संस्कृति की पाठ्य सामग्री,100 विषयों पर कंटेंट लिखेंगे एक्सपर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग कक्षा 6वीं से 12वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति से जुड़ी विशेष पाठ्य सामग्री तैयार कर रहा है। इसके लिए प्रदेशभर के करीब 100 साहित्यकार, संस्कृतिविद, शोधकर्ता और विषय विशेषज्ञ 100 अलग-अलग विषयों पर सामग्री तैयार करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप छत्तीसगढ़ अपने संसाधनों से स्थानीय कला और सांस्कृतिक विरासत पर पूरक पाठ्य एवं दृश्य सामग्री विकसित करने वाला देश का पहला राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इसके जरिए विद्यार्थियों के साथ शिक्षक, प्रशिक्षक और अभिभावक भी छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं से परिचित हो सकेंगे।

इस काम के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), शंकर नगर रायपुर में 26 अगस्त तक तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला आयोजित चल रही है। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति पर आधारित आर्ट रिपोजिटरी तैयार करने के लिए विषय विशेषज्ञों को जिम्मेदारी दी गई है।

तैयार की जा रही सामग्री सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेगी। हर विषय पर 5 से 10 मिनट की शॉर्ट फिल्म भी बनाई जाएगी। इसके लिए अलग से स्टोरी तैयार की जाएगी।

इसका मकसद बच्चों को छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं से आसान और रोचक तरीके से जोड़ना है। इससे बच्चे अपनी संस्कृति के बारे में ज्यादा अच्छे से जान और समझ सकेंगे।

वर्कशॉप में करीब 100 विषयों को अलग-अलग समूहों में बांटकर उन पर लेख और सामग्री तैयार की जा रही है। इसके बाद विशेषज्ञ इनकी समीक्षा भी कर रहे हैं। 25 अगस्त को सामग्री में जरूरी बदलाव करके अंतिम ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। वहीं 26 अगस्त को लघु फिल्मों की पटकथा पेश की जाएगी। इसके बाद पटकथा का अंतिम संपादन और मंजूरी दी जाएगी।

आर्ट रिपोजिटरी में छत्तीसगढ़ की विभूतियों, संतों, महापुरुषों और साहित्यकारों के योगदान को भी शामिल किया जाएगा। इनमें गुरु घासीदास, गहिरा गुरु, शबरी माता, राजा चक्रधर, पद्मश्री तीजन बाई, विनोद कुमार शुक्ल, मिनीमाता, माधवराव सप्रे, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, मुकुटधर पांडेय, पं. सुंदरलाल शर्मा, शहीद वीर नारायण सिंह और गुंडाधुर समेत कई प्रमुख व्यक्तित्व शामिल होंगे।

पाठ्य सामग्री में छत्तीसगढ़ के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को भी जगह मिलेगी। कौशल्या मंदिर, सिरपुर, भोरमदेव, दंतेश्वरी मंदिर, बम्लेश्वरी मंदिर, चंद्रहासिनी मंदिर, मां महामाया मंदिर रतनपुर और राजिम के राजीव लोचन मंदिर पर सामग्री तैयार की जाएगी।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज आपकी कार्यक्षमता और आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा। लंबे समय से रुके हुए कार्यों को आगे बढ़ाने के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों और अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में किसी नई योजना पर काम शुरू करने का मौका मिल सकता है।

वृषभ। आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना आपके लिए जरूरी रहेगा। पुराने लेन-देन से जुड़ी कोई समस्या सुलझ सकती है और इससे मानसिक राहत मिलेगी। व्यापार में किसी पुराने ग्राहक या संपर्क से लाभ मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर अपनी जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए।

मिथुन। आज बातचीत और संवाद आपके लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। परिवार या जीवनसाथी के साथ किसी गलतफहमी को बातचीत के माध्यम से दूर किया जा सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिक भागदौड़ रहेगी और एक साथ कई जिम्मेदारियां संभालनी पड़ सकती हैं। सहकर्मियों का सहयोग मिलने से काम आसान होगा। व्यापारियों को नए संपर्कों से लाभ मिल सकता है,

कर्क। आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। व्यापार में किसी नई योजना पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा और सही रणनीति अपनाने पर अच्छा परिणाम प्राप्त हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को महत्व दिया जाएगा। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और आय के नए रास्ते भी खुल सकते हैं। परिवार में सहयोग और आपसी समझ बढ़ेगी।

सिंह। आज कामकाज के मोर्चे पर आपको विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। किसी महत्वपूर्ण दस्तावेज, अनुबंध या कागजी कार्रवाई को अंतिम रूप देने से पहले सभी जानकारी अच्छी तरह जांच लें। छोटी-सी लापरवाही आगे चलकर परेशानी पैदा कर सकती है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए काम करना चाहिए। व्यापार में नए प्रस्ताव मिल सकते हैं, लेकिन बिना पूरी जानकारी के कोई निर्णय न लें।

कन्या। आज का दिन आपके लिए काफी अनुकूल और लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक पूरा करने का अवसर मिलेगा। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहेगा और पुराने संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है तथा आय बढ़ाने के नए रास्ते सामने आ सकते हैं।

तुला। आज आपको आर्थिक मामलों में थोड़ा संभलकर चलने की सलाह दी जाती है। आय सामान्य रहेगी, लेकिन बेवजह के खर्च बढ़ सकते हैं। बजट बनाकर चलें और गैरजरूरी खरीदारी से बचें। किसी बड़े निवेश में पैसा लगाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए समय का सही प्रबंधन करें।

वृश्चिक। आज कार्यक्षेत्र में चली आ रही अड़चनें धीरे-धीरे दूर होंगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और कठिन काम भी आसानी से पूरे किए जा सकेंगे। नौकरीपेशा लोगों को कोई नई जिम्मेदारी या अवसर मिल सकता है। व्यापार में पुराने संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है। नई योजना शुरू करने से पहले उसके सभी पहलुओं पर विचार जरूर करें। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है ।

धनु। आज धन लाभ के नए स्रोत सामने आ सकते हैं। व्यापार में कोई नया सौदा या संपर्क आर्थिक रूप से लाभदायक साबित हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा और घर में सुखद वातावरण बना रहेगा। किसी प्रियजन के साथ यात्रा की योजना बन सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और पढ़ाई में मन लगेगा।

मकर। आज आपको विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में किसी सहकर्मी या अधिकारी के साथ वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए अपनी भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण रखें। अनावश्यक बहस में पड़ने के बजाय अपने जरूरी कामों पर ध्यान केंद्रित करें। व्यापारियों को किसी नए सौदे में जल्दबाजी से बचना चाहिए। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएं। परिवार में सामान्य वातावरण रहेगा और किसी सदस्य का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ बातचीत

कुंभ। आज प्रॉपर्टी या निवेश से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है। जमीन, मकान या वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं तो उचित जांच-पड़ताल के बाद ही आगे बढ़ें। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और पुराने निवेश से भी फायदा मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। सहकर्मियों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार रखें। परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा और किसी सदस्य से अच्छी खबर मिल सकती है।

मीन। आज मन को शांत रखकर फैसले लेना आपके लिए सबसे बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के नए अवसर मिल सकते हैं और आपकी मेहनत को वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी या पदोन्नति से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार में भी विस्तार के अवसर सामने आएंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन किसी बड़े निवेश में जल्दबाजी न करें। परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त होगा और घर में सुखद वातावरण बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

जिन बच्चों के दिल में छेद, सरकार कराएगी इलाज

कोच्चि के अमृता हॉस्पिटल में होगी सर्जरी, मंत्री ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर किया रवाना

रांची। जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहे झारखंड के 20 बच्चे सोमवार को मुफ्त इलाज और ऑपरेशन के लिए कोच्चि स्थित अमृता अस्पताल रवाना हुए। बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की पहल पर सरकार जांच, ऑपरेशन, दवा, अस्पताल में रहने-खाने और आने-जाने का खर्च उठाएगी। रवाना होने के दौरान कई अभिभावक भावुक हो गए।

कहा कि निजी अस्पतालों में ऑपरेशन पर लाखों रुपए खर्च होते हैं, जिसे जुटाना उनके लिए संभव नहीं था। स्वास्थ्य मंत्री खुद हटिया रेलवे स्टेशन पहुंचे और बच्चों से मुलाकात कर उन्हें उपहार देकर रवाना किया। बताया कि अब तक 75 बच्चों का मुफ्त हृदय ऑपरेशन हो चुका है। अमृता अस्पताल के सहयोग से करीब 100 बच्चों के

इलाज का लक्ष्य है।

इस पहल के तहत बच्चों की हृदय संबंधी जांच और आवश्यक परीक्षण, ऑपरेशन, दवा, अस्पताल में रहने और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। ऑपरेशन के बाद फॉलोअप और घर वापसी तक स्वास्थ्य विभाग की निगरानी रहेगी।

रांची के निखिल लोहरा के परिजनों को काफी समय से उसके जन्मजात हृदय रोग की चिंता थी। डॉक्टरों ने इलाज और ऑपरेशन की जरूरत बताई थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि लाखों रुपए जुटाकर इलाज करा सके। परिजनों ने कहा, इलाज पर 5 से 10 लाख रुपए तक खर्च आता। इतनी राशि हम कहां से जुटाते, पता नहीं कभी इलाज करा भी पाते या नहीं।

बोकारो के उज्जवल महतो के परिवार के सामने भी बेटे के इलाज का खर्च सबसे बड़ी चुनौती था। जन्मजात दिल में छेद के कारण ऑपरेशन जरूरी था, लेकिन परिवार के लिए लाखों रुपये जुटाना संभव नहीं था। परिजनों ने कहा, बच्चे की बीमारी को लेकर हमेशा डर बना रहता था। इतनी बड़ी राशि हमारे लिए बहुत ज्यादा है। सरकार ने मुफ्त इलाज की व्यवस्था कर दी है। उम्मीद है कि ऑपरेशन सफल होगा।

देवघर की मीठी कुमारी भी जन्म से हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रही है। परिवार के लिए उसका इलाज कराना आर्थिक रूप से मुश्किल था। अब सरकार की पहल से मीठी को कोच्चि भेजा गया है। मीठी की मां ने कहा, हम अपनी बेटी का इलाज कराना चाहते थे, लेकिन 8 लाख रुपये का इंतजाम करना हमारे लिए संभव नहीं था। अब सरकार ने जिम्मेदारी उठाई है। भरोसा है कि बेटी स्वस्थ होकर घर लौटेगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सांसदों, विधायकों, जिला परिषद सदस्यों, मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधियों से अपील की कि उनके क्षेत्र में यदि कोई ऐसा बच्चा है, जिसके दिल में जन्मजात छेद है और आर्थिक परेशानी के कारण इलाज नहीं हो पा रहा है, तो उसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे पात्र बच्चों का इलाज सरकार की ओर से मुफ्त कराने का प्रयास किया जाएगा।

जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा पीटी गड़बड़ी मामले में सुप्रीम सुनवाई: सीबीआई जांच की मांग पर सुप्रीम कोर्ट का सरकार और जेपीएससी को नोटिस

रांची। झारखंड लोकसेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा पीटी की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने इस मामले में झारखंड सरकार और जेपीएससी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन ने दायर की है।

याचिकाकर्ता के वकील मनन कुमार मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्र एक महीने से अधिक समय से आंदोलन कर रहे हैं। राज्य सरकार ने परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया था। लेकिन परीक्षा रद्द करने से गड़बड़ी का खुलासा नहीं हो सकता। इसलिए पूरे मामले की जांच सीबीआई या सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर कराई जाए। इस पर चीफ जस्टिस ने स्पष्ट किया कि किसी रिटायर्ड जस्टिस को इस तरह जांच करने के लिए नहीं कहा जा सकता। उन्होंने पूछा कि क्या न्यायिक सेवा की भर्ती परीक्षाएं भी राज्य लोकसेवा आयोग के माध्यम से होती है?

इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने हां में जवाब दिया। कोर्ट ने जेपीएससी के माध्यम से होने वाली अन्य महत्वपूर्ण भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया की भी जानकारी ली। इसके बाद झारखंड सरकार और जेपीएससी को नोटिस जारी किया। मालूम हो कि अधिवक्ता सत्यम सिंह राजपूत के माध्यम से याचिका दाखिल की गई है।

कोर्ट ने झारखंड सरकार व जेपीएससी से मांगा जवाब, ओएमआर से सर्वर लॉग तक सुरक्षित रखने की मांग रखी

याचिका में जांच के दौरान परीक्षा से जुड़े सभी भौतिक और डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का भी अनुरोध किया गया है। इनमें मूल ओएमआर शीट, अभ्यर्थियों के पास मौजूद ओएमआर की कार्बन कॉपी, परीक्षा केंद्रों का सीसीटीवी फुटेज और सर्वर के ऑडिट लॉग शामिल हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि इन साक्ष्यों को सुरक्षित रखना जरूरी है, ताकि जांच के दौरान किसी तरह की छेड़छाड़ या सबूतों के नष्ट होने की आशंका न रहे। याचिका में राज्य सरकार के अलावा जेपीएससी और परीक्षा से जुड़ी एजेंसियों के खिलाफ भी निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

राज्य सरकार ने परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया था। लेकिन परीक्षा रद्द करने से गड़बड़ी का खुलासा नहीं हो सकता। इसलिए सीबीआई या सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर जांच कराई जाए। याचिका में कहा गया है कि परीक्षा रद्द कर देने मात्र से कथित 'व्यवस्थित भ्रष्टाचार' की जांच की जरूरत खत्म नहीं हो जाती। परीक्षा में अनियमितता की वास्तविक प्रकृति और इसके पीछे जिम्मेदार अधिकारियों व परीक्षा एजेंसियों की भूमिका का पता लगाने के लिए स्वतंत्र जांच बेहद जरूरी है।

आगे क्या, सीआईडी जांच में मिले तथ्य कोर्ट को सौंपने होंगे

सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद अब झारखंड सरकार और जेपीएससी को शीर्ष अदालत में अपना पक्ष रखना होगा। आगे की सुनवाई में अदालत यह तय कर सकती है कि मौजूदा जांच पर्याप्त है या मामले को सीबीआई जैसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपने की जरूरत है। इस मामले में ओएमआर, सीसीटीवी और डिजिटल सर्वर रिकॉर्ड को सुरक्षित रखना जांच का सबसे महत्वपूर्ण आधार बन सकता है।

जमीन खरीदने के नाम पर डॉक्टर से किया संपर्क : मारने की धमकी, 5 करोड़ की रंगदारी मांगी

रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक नगर निवासी डॉ. दुर्गा चरण सिन्हा से अपराधियों ने पैतृक जमीन खरीदने के बहाने संपर्क कर 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। पैसे नहीं देने पर उन्हें लोहरदगा में गोली मारने की धमकी दी गई है। डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। डॉक्टर के अनुसार, 29 जुलाई की रात एक अज्ञात नंबर से 42 बार कॉल और मिस्ड कॉल आए।

30 जुलाई को उसी नंबर से कॉल आई, जिसे डॉक्टर की पत्नी संगीता सिन्हा ने उठाया। कॉलर ने खुद को अरगोड़ा निवासी बताते हुए कहा कि उसका भाई बिड़ला कंपनी में जीएम है और कंपनी के लिए डॉक्टर की पोढ़ा स्थित पैतृक जमीन खरीदना चाहता है। उसने डॉक्टर के घर का पता जानने की कोशिश की, लेकिन पत्नी ने पता नहीं दिया। आरोपी ने बताया कि उसे यह नंबर सिसई के एक कर्मचारी से मिला है। 31 जुलाई को 22 कॉल आईं, जिन्हें डॉक्टर ने रिसीव नहीं किया। 2 अगस्त की सुबह जब डॉक्टर ने कॉल उठाई, तो आरोपी ने नाम पूछते ही लोहरदगा में गोली मारने की धमकी दी।

इसके बाद दोपहर में डॉक्टर ने 17 सेकेंड और 1 मिनट 10 सेकेंड की दो बातचीत रिकॉर्ड की, जिसमें आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए ?5 करोड़ की मांग की। अरगोड़ा थानेदार सतीश कुमार गोराई ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। रिकॉर्डिंग और कॉल डेटा के जरिए मोबाइल धारक और कॉल के स्रोत की पहचान की जा रही है, आरोपी जल्द गिरफ्त में होगा।

स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत टाटा एआईजी से एमओयू: राज्य कर्मियों व उनके आश्रितों को रिम्स में मिलेगा कैशलेस इलाज

रांची। राज्य के सरकारी कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब उन्हें राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भी इलाज की सुविधा मिलेगी। रिम्स को योजना के तहत इम्पैनल्ड हेल्थ केयर प्रोवाइडर (सूचीबद्ध स्वास्थ्य सेवा प्रदाता) के रूप में शामिल कर लिया गया है। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए रिम्स प्रबंधन और योजना की बीमा प्रदाता कंपनी टाटा एआईजी के बीच औपचारिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

रिम्स प्रबंधन के अनुसार, करीब एक सप्ताह में सभी जरूरी

तकनीकी व प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी, जिसके बाद कर्मियों को योजना के तहत कैशलेस और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं मिलने लगेंगी। एमओयू के दौरान रिम्स के निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, अपर चिकित्सा अधीक्षक सह योजना के नोडल अधिकारी, टाटा एआईजी के प्रतिनिधि और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

रिम्स निदेशक ने कहा कि राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत संस्थान का सूचीबद्ध होना एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सरकारी कर्मियों तक गुणवत्तापूर्ण व विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावी तरीके से पहुंच सकेंगी। रिम्स मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अन्य अस्पतालों पर निर्भरता घटेगी

रिम्स राज्य का शीर्ष सरकारी चिकित्सा संस्थान है, जहां लगभग सभी सुपर स्पेशियलिटी विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हैं। योजना से जुड़ने के बाद कर्मचारियों को गंभीर और जटिल बीमारियों के इलाज के लिए निजी या बाहरी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा पीटी फर्जीवाड़ा मामले की जांच तेज: बुद्धेश्वर को 1.10 करोड़ देकर पीटी पास करने वाले 11 अभ्यर्थियों से होगी पूछताछ

रांची। जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा पीटी में फर्जीवाड़े की परतें लगातार खुल रही हैं। अब सीआईडी जांच का दायरा उन अभ्यर्थियों तक पहुंच गया है, जिन्होंने दलालों के जरिए मोटी रकम देकर पीटी पास की थी। एजेंट बुद्धेश्वर भगत से पूछताछ में हुए खुलासे के बाद अब सीआईडी उन 11 अभ्यर्थियों का बयान दर्ज करने की तैयारी में है, जिनसे 10-10 लाख रुपए वसूले थे। इस लेनदेन की पुष्टि के बाद अब इन अभ्यर्थियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इनमें से दो अभ्यर्थी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। अब नौ अभ्यर्थियों को जल्दी ही समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

जिन अभ्यर्थियों को पैसे लेकर पास कराए गए थे, उनमें कपिल कुमार महतो, संतोष कुमार, वंदना कुमारी, दिलीप कुमार राणा, ओमप्रकाश राणा, शिवम सिंह, पवन कुमार मुंडा, रॉकी सचिन लकड़ा, रोशन केरकेट्टा, उमाकांत उरांव और एक अन्य अभ्यर्थी शामिल हैं। इनमें से रोशन केरकेट्टा और उमाकांत उरांव की की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। उनका बयान भी दर्ज हो चुके हैं।

जांच में पता चला है कि लोहरदगा निवासी बुद्धेश्वर भगत नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में संविदा पर कार्यरत था। वहीं वह धांधली के मास्टरमाइंड अभय तिवारी के संपर्क में आया। अभय जेपीएससी की परीक्षा एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्रा. लि. (टीडीपीएल) का मार्केटिंग मैनेजर था।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

			3				6	
	6	4			1		2	
			5					
	2	3		5		6		
		9	8		3	7		
		8		9		1	4	
					9			
	1		4			8	9	
	5				7			

पिछले अंक का उत्तर

3	1	5	8	2	7	9	4	6
4	6	8	9	1	5	7	3	2
7	2	9	3	4	6	5	1	8
9	4	6	5	3	8	1	2	7
5	7	1	6	9	2	4	8	3
8	3	2	1	7	4	6	9	5
6	9	3	2	5	1	8	7	4
2	5	7	4	8	9	3	6	1
1	8	4	7	6	3	2	5	9

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच सरकार ने 23 परीक्षाओं की जांच के निर्देश दिए

रांची। झारखंड की भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच सरकार ने 23 परीक्षाओं की जांच के निर्देश दिए हैं। इनमें जेपीएससी छठी सिविल सेवा परीक्षा-2016 भी शामिल है। पीटी से लेकर मुख्य परीक्षा तक यह विवादों में रही।

परीक्षा के परिणाम में दो बार संशोधन किया गया, जिससे सफल अभ्यर्थियों की संख्या सात गुना तक बढ़ी गई। वहीं मुख्य परीक्षा की मेरिट और अंत में चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति तक हर चरण पर सवाल उठे। इस परीक्षा में कॉपी और मार्कशीट में अंक में भी अंतर मिले। अभ्यर्थी विकास कुमार ने सीआईडी महानिदेशक को दिए आवेदन में दावा किया कि उनकी पेपर-3 उत्तर-पुस्तिका में 98 अंक, जबकि अंकपत्र में 90 अंक दर्ज हैं। इसके अलावा पेपर-पांच के 40 अंकों के प्रश्न में 2 अंक देने पर भी आपत्ति जताई है। इतना ही नहीं, दूसरे प्रश्न में उत्तर-पुस्तिका पर 19+3 यानी 22 अंक मिले हैं, जबकि अंक पत्र में 20 अंक दर्ज है। विकास को सिर्फ एक अंक के लिए साक्षात्कार से बाहर कर दिया गया।

भारत हॉकी वर्ल्डकप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर: अर्जेंटीना ने 5-3 से हराया; सुखजीत ने 2 गोल दागे

एम्सटेलवीन। भारतीय पुरुष टीम हॉकी वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। उसे एम्सटेलवीन के वेगनर स्टेडियम में सोमवार को अर्जेंटीना ने 5-3 से हराया।

भारत को सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए अर्जेंटीना को कम से कम 2 गोल से हराना जरूरी था। लेकिन खराब डिफेंस के कारण अर्जेंटीना ने मैच पर कब्जा कर लिया।

भारत ने 5 मैचों में 16 गोल खाए। अर्जेंटीना के खिलाफ मजबूत नतीजे की जरूरत वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय डिफेंस की कमजोरियां टीम पर भारी पड़ीं।

भारत अब 7वें और 8वें स्थान के लिए होने वाले क्लासिफिकेशन मैच में बेल्जियम से खेलेगा। एक दिन पहले भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी।

अर्जेंटीना ने पहले मिनट में बढ़त बनाई

अर्जेंटीना ने पहले ही मिनट में जोआक्विन टोस्कानी ने फील्ड गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। छठे मिनट में निकोलस डेला टोरे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त 2-0 कर दी।

भारत की ओर से सुखजीत सिंह ने 10वें मिनट में फील्ड गोल किया। इससे भारत को वापसी की उम्मीद जगी और स्कोर 1-2 हो गया। हाफ टाइम तक इंडिया 1-2 से पिछड़ रहा था।

अंतिम मिनटों में भारत ने किए 2 गोल

भारत ने आखिरी मिनटों में वापसी की कोशिश की। सुखजीत सिंह ने 58वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, जबकि इसके एक मिनट बाद हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-5 कर दिया।

फाइनल हूटर से ठीक पहले हरमनप्रीत सिंह के गेंद पैर पर लगने के बाद भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, हरमनप्रीत का ड्रैग-फ्लिक बचा लिया गया और भारत का वर्ल्ड कप अभियान खत्म हो गया।

भारत ने पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप सिर्फ एक बार जीता है। 1975 में कुआलालंपुर में खेले गए फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था।

भारत ने वर्ल्ड कप के शुरुआती 3 संस्करणों में लगातार पदक जीते थे। टीम ने 1971 में कांस्य, 1973 में सिल्वर और 1975 में गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद भारत मेडल नहीं जीत सका।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत: जरमनप्रीत सिंह, अभिषेक, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, मंदीप सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित, नीलकंठ शर्मा, लालगे आदित्य अर्जुन, शशिकुमार मोहिथ होन्नेनहल्ली, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुखजीत सिंह, यशदीप सिवाच, संजय, सूरज करकेरा (गोलकीपर), राजिंदर सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

अर्जेंटीना: मातियास रे (कप्तान) , टॉमस सैंटियागो, फाकुंडो जाराटे, निकोलस कीनन, माइको कासेला, निकोलस डेला टोरे, लुकास टोस्कानी, नेहुएन हर्नांडो, टॉमस रुइज, जोआक्विन टोस्कानी, मातियास आंद्रेओटी, टॉमस डोमेने, लुकास मार्टिनेज, निकोलस सिसिलियो, तादेओ मारकुची, इग्नासियो इबारा, थॉमस हबीफ, बाउतिस्ता कापुरो, मार्टिन फेरेइरो, लुसियो मेंडेज।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 100 अंक की गिरावट: 77,300 पर कारोबार, निफ्टी भी 50 अंक फिसला; ऑटो और मेटल शेयरों में बिकवाली

मुंबई, 25 अगस्त 2026। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को कमजोरी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 100 अंक से अधिक गिरकर करीब 77,300 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी भी करीब 50 अंक की गिरावट के साथ 24,150 के आसपास बना हुआ है। बाजार में खासतौर पर ऑटो और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव दिखाई दे रहा है। निवेशकों की नजर घरेलू और वैश्विक बाजारों के संकेतों के साथ-साथ कंपनियों से जुड़ी गतिविधियों पर बनी हुई है।

प्राइमरी मार्केट में आज से अन्नू प्रोजेक्ट्स का **IPO** भी खुल गया है। कंपनी इस इश्यू के जरिए करीब 175.06 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। **IPO** में निवेशक 28 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। बाजार में कमजोरी के बीच इस इश्यू को लेकर भी निवेशकों की नजर बनी हुई है।

एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.96% गिरकर 6,566 पर रहा। जापान का निक्केई 0.11% बढ़कर 65,599 पर पहुंचा, जबकि हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.36% गिरकर 25,446 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

सोना 190 बढ़कर 1.62 लाख पर पहुंचा:चांदी 1,945 सस्ती होकर 2.43 लाख पर आई, कैरेट के हिसाब से देखें सोने की कीमत

सोने की कीमतों में 25 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 190 रुपए बढ़कर 1.62 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 1,945 रुपए कम होकर 2.43 लाख रुपए आ गई।

इस साल सोना ?29 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 29 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.62 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.43 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

आगे मुश्किल हालात में भी सोने में तेजी बनी रहेगी। यदि हालात सुधरे तो चांदी में भी उछाल दिख सकता है। अभी जो भावी हालात नजर आ रहे हैं, उसके मुताबिक दिसंबर तक सोने की कीमत 1.70 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। चांदी की कीमत भी 3 लाख रुपए तक जा सकती है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने डबल्स खिताब जीता : मैक्सिको-बेलारूस की जोड़ी को हराकर कैनकन कंट्री ओपन के चैम्पियन बने, 9,900 डॉलर मिले

भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने कानकुन कंट्री ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया। टूर्नामेंट के दूसरे सीजन के फाइनल में भारतीय जोड़ी ने मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।

इस जीत के साथ दोनों को 125 एटीपी रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब ?9.5 लाख) की इनामी राशि मिली।

पहला सेट 6-3 से और दूसरा सेट टाईब्रेकर में जीता

पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। भारतीय जोड़ी ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया।

भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68% और दूसरी सर्विस पर 81% अंक जीते। वहीं भारतीय जोड़ी ने दूसरा सेट टाई ब्रेकर में 7-6(4) से अपने नाम किया और खिताब जीत लिया।

अनिरुद्ध का 11वां, इस साल का दूसरा खिताब

कानकुन का खिताब अनिरुद्ध चंद्रशेखर का चैलेंजर सर्किट पर 11वां खिताब है। यह इस साल उनका दूसरा खिताब भी है। इससे पहले उन्होंने जापान के ताकेरू युजुकी के साथ बुसान एटीपी चैलेंजर 125 जीता था।

बालाजी का 15वां चैलेंजर खिताब

बालाजी के लिए यह इस साल का 5वां चैलेंजर खिताब है। इससे पहले उन्होंने चारों खिताब ऑस्ट्रिया के नील ओबरलाइटनर के साथ जीते थे। कानकुन की जीत के साथ बालाजी के चैलेंजर सर्किट पर कुल खिताबों की संख्या 15 हो गई है।

रनर-अप को 75 पॉइंट्स और 5,760 डॉलर

कानकुन कंट्री ओपन की उपविजेता जोड़ी रेयेस-वरेला और ल्युटारेविच को 75 एटीपी रैंकिंग पॉइंट्स मिले। उन्हें 5,760 डॉलर (करीब ?4.8 लाख) की इनामी राशि मिली।

BCCI ने जूनियर कमेटी में 5 पदों पर आवेदन मांगे: टीमों के चयन से लेकर टैलेंट स्काउटिंग तक जिम्मेदारी; ड्रग्स, सट्टेबाजी के प्रति जागरूक करेगी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जूनियर क्रिकेट सिलेक्शन कमेटी के 5 पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। नई कमेटी अंडर-22 स्तर तक की भारतीय टीमों के चयन, युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा तलाशने और उन्हें तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी। उम्मीदवार 5 सितंबर 2026 की शाम 5 बजे तक क्चष्टद्ब की ओर से जारी ऑनलाइन लिंक के जरिए आवेदन कर सकेंगे।

मौजूदा जूनियर सिलेक्शन कमेटी के 5 साल का कार्यकाल खत्म होने वाला है। इसी वजह से क्चष्टद्ब ने नई कमेटी के गठन की प्रक्रिया शुरू की है। नई कमेटी के चयन में खिलाड़ियों के चयन के साथ-साथ युवा क्रिकेटरों में नैतिक मूल्यों और सही खेल भावना को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाएगा।

जूनियर क्रिकेट कमेटी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी अंडर-22 स्तर तक की भारतीय टीमों का चयन करना होगी। कमेटी घरेलू और विदेशी दौरों के लिए खिलाड़ियों का चयन करेगी। इसके साथ ही युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और स्काउटिंग का काम भी कमेटी के जिम्मे रहेगा।

कमेटी को जूनियर क्रिकेट के लिए पारदर्शी तरीके से खिलाड़ियों का चयन करना होगा और उनके प्रदर्शन की समीक्षा भी करनी होगी।

दलीप ट्रॉफी में वैभव ने जर्सी नंबर पर टेप लगाया: सिर्फ नंबर-3 दिखा, 6 गेंद में 8 रन बनाकर आउट हुए थे

बेंगलुरु में नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन के उप-कप्तान 15 साल के वैभव सूर्यवंशी जर्सी पर टेप लगाकर अपना पसंदीदा नंबर-3 दिखाते नजर आए।

हालांकि, वे बल्ले से असर नहीं छोड़ सके और 6 गेंदों में 8 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने लगातार दो चौके लगाए, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर गली में कैच दे बैठे।

6 गेंदों में दो चौके, फिर गली में कैच

नॉर्थ ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। वैभव ने पारी के दूसरे ओवर में बिश्वोरजीत कोंथौजम की गेंदों पर लगातार दो चौके लगाए। इसके बाद अगली गेंद डॉट रही, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर वैभव ने बल्ला लगाया और गली में जोसेफ लालथंकुमा को कैच दे बैठे। वे 6 गेंदों पर 8 रन बनाकर आउट हुए।

138 रन पर 5 विकेट गिरने के बाद संभली पारी

ईस्ट जोन की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वैभव 8 और कप्तान ईशान किशन 4 रन बनाकर आउट हो गए। टीम ने 138 रन तक 5 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद सुदीप कुमार घरामी और शाहबाज अहमद ने शानदार शतक लगाए। सुदीप ने 146 और शाहबाज ने 167 रन बनाए। दोनों की पारियों से ईस्ट जोन ने पहली पारी में 467 रन बनाए।

111 रन पर सिमटा नॉर्थ ईस्ट जोन, फॉलोऑन

467 रन के जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की टीम 111 रन पर ऑलआउट हो गई। अभिजीत सरकार ने 9.5 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। शाहबाज अहमद ने भी 3 विकेट हासिल किए। 356 रन की पहली पारी की बढ़त के बाद ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को फॉलोऑन दे दिया।

INDW vs PAKW: टीम इंडिया से बदला लेने के लिए पाकिस्तान महिला टीम की खास तैयारी, पुरुषों के साथ खेले 5 मैच

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सामना पाकिस्तान से अब तक 18 बार हो चुका है, जिसमें से 3 बार पड़ोसियों को जीत मिली है, तो 15 बार टीम इंडिया ने बाजी मारी है। दोनों टीमें आखिरी बार वूमेंस टी20 वर्ल्ड कप में भिड़ी थीं, जहां भारतीय टीम ने एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को शिकस्त दी थी। उससे पहले एशिया कप में भी भारतीय टीम ने ही बाजी मारी थी। अब दोनों टीमें एक बार फिर से एशिया कप में भिड़ने वाली हैं और दोनों की टक्कर 5 सितंबर को होगी। इस मैच में टीम इंडिया से बदला लेने के लिए पाकिस्तान की टीम ने खास तैयारी की है। उसने पुरुष टीम के साथ 5 टी20 मैच खेले हैं।

वूमेंस एशिया कप 2026 की शुरुआत दुबई में 28 अगस्त से होगी। जिसके लिए पाकिस्तान टीम बिल्कुल अलग तरीके से तैयारी कर रही है। टी20 फॉर्मेट में होने वाले इस टूर्नामेंट की बेहतर और मजबूत तैयारी के लिए पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने पुरुष टीम के साथ मैच खेले हैं। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने लाहौर में एनसीए में प्री-टूर्नामेंट कैंप में अब्दुल कादिर क्रिकेट एकेडमी की पुरुष टीम के खिलाफ मैच खेले हैं।

मुकाबले पूरी तरह 20-ओवर फॉर्मेट के मुताबिक आयोजित किए गए थे। मुकाबलों के दौरान पाकिस्तान टीम को अपनी स्किल और प्रदर्शन के स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिली। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने कहा, 'पुरुष टीम के साथ हुए मुकाबलों ने एशिया कप के लिए हमारी तैयारी में मदद की। मुकाबलों के दौरान हम पर दबाव था। ये अनुभव हमें आगामी टूर्नामेंट की चुनौतियों का सामना करने में मददगार होगा। हम टूर्नामेंट के लिए अच्छी तरह तैयार हैं।'

सना ने कहा, 'हमें यह समझने की जरूरत थी कि दबाव से किस तरह निपटा जाए। बड़े टूर्नामेंट में हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती दबाव वाली स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने की होती है, जिसमें हम लगातार असफल रहे हैं। पुरुष टीम के खिलाफ हुए मैचों में हमारी मदद की और इसका परिणाम आपको हमारे आगामी मैचों में दिखेगा। हमने सीखा कि दबाव में घबराने के बजाय शांत रहना जरूरी है। हमने लड़कियों से कहा है कि वे मुश्किल समय में शांत रहें, अपनी मेहनत पर भरोसा रखें और योजनाओं को नियंत्रित करें।'

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का हाल में टी20 फॉर्मेट में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। टी20 विश्व कप 2026 में फातिमा सना की कप्तानी वाली ये टीम 5 मैचों में से सिर्फ एक मैच जीत सकी। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और भारत के खिलाफ मैच गंवाए, जबकि एकमात्र जीत नीदरलैंड के खिलाफ मिली थी। टूर्नामेंट के दौरान खराब गेंदबाजी और बल्लेबाजी के अलावा टीम खराब फील्डिंग और निर्णयों के लिए भी आलोचना का शिकार हुई थी। पाकिस्तान टीम को एशिया कप के फाइनल में पहुंचे 10 साल हो चुके हैं। पिछली बार टीम सेमीफाइनल में श्रीलंका से हारकर बाहर हो गई थी।

शहीद की पत्नी ने सीएम को बांधी राखी

रक्षाबंधन पर 800 जवानों की कलाई पर सजी राखी, मुख्यमंत्री बोले- आज मिली सगी बहन से बढ़कर बहन

रायपुर। रायपुर के इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को रक्षाबंधन का माहौल कुछ अलग नजर आया। यहां स्कूली बच्चियों ने सीआईएसएफ, बीएसएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस के करीब 800 जवानों की कलाई पर राखी बांधी। इसी दौरान शहीद वीर जवान युगल किशोर वर्मा की पत्नी माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को राखी बांधी।

'स्नेह की डोर विष्णु भैया मोर' नाम से हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज उन्हें माधुरी वर्मा के रूप में एक बहन मिली है। उन्होंने कहा कि उनकी कोई सगी बहन नहीं है, वे भाई-भाई हैं, लेकिन आज उन्हें सगी बहन से बढ़कर एक बहन मिली है।

कार्यक्रम में जवानों और स्कूली बच्चियों के बीच रक्षाबंधन का यह दृश्य खास रहा। बच्चियों ने जवानों को राखी बांधी तो जवानों ने भी उनके साथ भाई-बहन के इस रिश्ते को निभाने का भरोसा दिलाया।

जवानों के लिए बोलीं बहनें, आपने दिया सबसे बड़ा उपहार

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ जवानों ने जिस साहस और बलिदान के साथ लड़ाई लड़ी है, उसका असर अब बस्तर में साफ दिखाई दे रहा है। उनके मुताबिक जवानों ने नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए बहनों को बड़ा उपहार दिया है।

सीएम ने जवानों के साहस और शहादत को नमन करते हुए कहा कि उनके संघर्ष से छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद से मुक्त होने की ओर बढ़ रहा है।

बस्तर में अब विकास की रफ्तार बढ़ाने का वादा

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक बस्तर में विकास की रफ्तार प्रभावित रही, लेकिन अब वहां तेजी से काम किया जाएगा। सरकार का फोकस बस्तर में विकास के साथ लोगों को बेहतर सुविधाएं देने पर है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अब तक 13 लाख 85 हजार महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

यशवंत अग्रवाल की नई पहल, मधु कड़ियान रहीं मुख्य अतिथि

रायपुर में विश्वभारती ऑटोमोबाइल मारुति सुजुकी ड्राइविंग स्कूल का शुभारंभ

रायपुर। शहर में सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देने की दिशा में एक नई पहल की शुरुआत हुई है। अंबेडकर चौक, राजभवन रोड, सिविल लाइंस स्थित **Vishwabharti Automobile Maruti Suzuki Driving School** का भव्य शुभारंभ किया गया। संस्थान के संचालक यशवंत अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में मधु कड़ियान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, अतिथियों और ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े लोगों ने संस्थान को नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

नए ड्राइविंग स्कूल का उद्देश्य शहरवासियों को व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण ड्राइविंग प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। प्रशिक्षण के दौरान वाहन चलाने की तकनीक के साथ यातायात नियमों, सड़क पर सुरक्षित व्यवहार और जिम्मेदार ड्राइविंग के महत्व पर भी जोर दिया जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि रायपुर में लगातार बढ़ते यातायात और वाहनों की संख्या के बीच सुरक्षित ड्राइविंग का प्रशिक्षण समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है। केवल वाहन चलाना सीखना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि चालक को यातायात नियमों की जानकारी, सड़क पर अनुशासन और दूसरे वाहन चालकों व पैदल यात्रियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना जरूरी है।

मुख्य अतिथि मधु कड़ियान ने संस्थान के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के समय में ड्राइविंग सीखने के साथ सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की सही जानकारी होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह संस्थान नए वाहन चालकों को बेहतर मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चिंतावागु नदी बनी चुनौती तो नगर सेना बनी सहारा, बोट से ग्रामीणों को सुरक्षित कराया पार

बीजापुर। जिले में लगातार बारिश के चलते नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हो रहा है। ऐसी विषम परिस्थितियों में जिला प्रशासन एवं राहत-बचाव दल ग्रामीणों की मदद के लिए लगातार सक्रिय हैं। इसी क्रम में तहसील बीजापुर अंतर्गत ग्राम चिन्नाकवाली के पास स्थित चिंतावागु नदी में नगर सेना की टीम ने बोट के माध्यम से ग्रामीणों को सुरक्षित नदी पार कराया। चिंतावागु नदी में पानी का बहाव बढ़ने के कारण ग्रामीणों के लिए नदी पार करना चुनौतीपूर्ण हो गया था। ऐसे समय में नगर सेना की टीम ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और बोट के जरिए ग्रामीणों को नदी के दूसरे छोर तक सुरक्षित पहुंचाने का कार्य किया। टीम द्वारा विशेष रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सुरक्षित तरीके से नदी पार कराया गया, ताकि आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपचार तक उनकी पहुंच बनी रहे। नगर सेना के जवानों ने पूरी सावधानी और सतर्कता के साथ बोट का संचालन करते हुए ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई। नदी के तेज बहाव के बीच जवानों की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता ने ग्रामीणों को बड़ी राहत पहुंचाई। बारिश के मौसम में नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित होता है। ऐसे समय में जिला प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में ग्रामीणों को त्वरित सहायता मिल सके।

महतारी वंदन हर महीने का उपहार

महासमुंद । रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और उस भरोसे का प्रतीक है, जिसमें भाई अपनी बहन के सुख, सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लेता है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इसी विश्वास को जनकल्याण और विकास से जोड़ते हुए महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

रक्षाबंधन के अवसर पर 'राखी का रिश्ता भरोसे का, विष्णु भैया संग विकास की बात' का संदेश इसी विश्वास को रेखांकित करता है। बहनों के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे प्रयासों से विकास का यह रिश्ता और मजबूत हो रहा है। महतारी वंदन योजना से केंवरा कमार जैसी महिलाएं अपने पारंपरिक हुनर को फिर से संवार रही हैं, तो भामिनी गोस्वामी जैसी माताएं अपनी बेटियों के भविष्य के लिए आर्थिक नींव मजबूत कर रही हैं। यही है भरोसे से विकास और विकास से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़। महासमुंद जिले के सिरपुर क्षेत्र की कमार जनजातीय महिलाओं के जीवन में भी इस योजना का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। कभी आर्थिक तंगी के कारण अपने छोटे-छोटे सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष करने वाली महिलाएं अब नियमित आर्थिक सहायता के सहारे अपनी आजीविका को मजबूत करने और परिवार के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

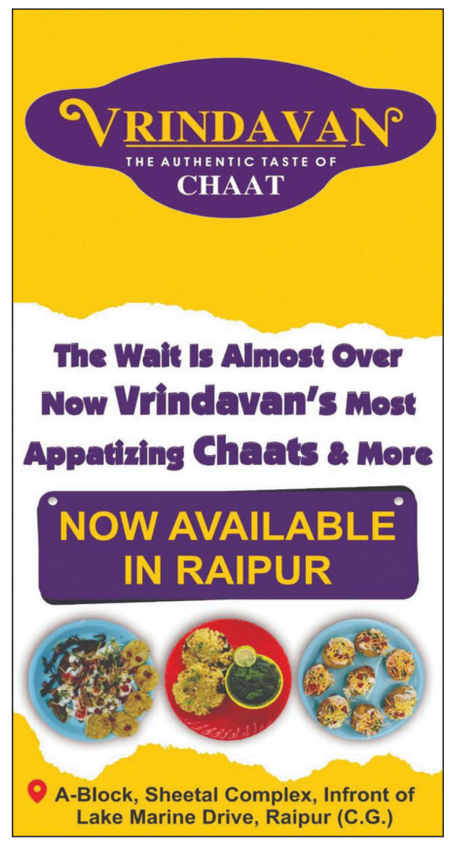

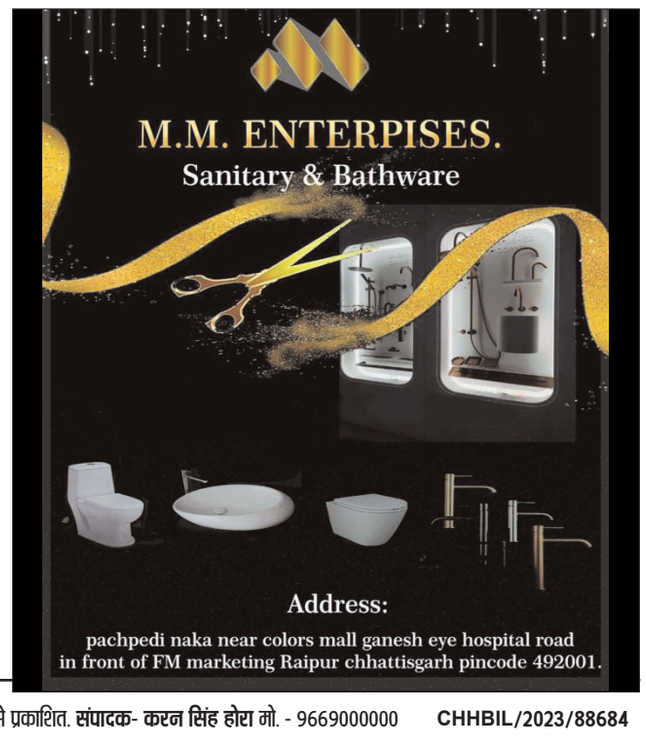

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684